लखनऊ

शुक्रवार, 26 सितम्बर, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 77

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

बात "संस्कार" और "आदर" की होती है, दोस्तो.. वरना, जो इंसान सुन सकता है, वो सुना भी सकता है"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi | NIGHT 27° Low

संक्षेप

वीवीआईपी इलाके में एटीएस के आईजी से ही लूट, खुफिया जानकारी वाले फोन के साथ बदमाश फरार

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जिसने राज्य की कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शहर के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले चार इमली वीवीआईपी इलाके में मंगलवार देर रात बेखौफ बाइक सवार बदमाशों ने इंटेलिजेंस एवं एटीएस के आईजी (ड्रुत्र) डॉ. आशीष को निशाना बनाया और उनके दो मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। यह घटना उस वक्त हुई जब वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी डॉ. आशीष रात करीब 10 बजे डिनर के बाद अपनी पत्नी के साथ टहल रहे थे। सूत्रों के अनुसार, छीने गए एक मोबाइल फोन में कई संवेदनशील और गोपनीय जानकारियां मौजूद थीं, जिसके बाद से ही सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। घटना के तुरंत बाद पुलिस हरकत में आई और करीब 20 मिनट के भीतर ही एक फोन घटनास्थल के पास से बरामद कर लिया। माना जा रहा है कि फोन के एडवांस सिक्योरिटी फीचर्स को देखकर बदमाशों ने उसे फेंक दिया होगा। हालांकि, दूसरा फोन, जिसमें खुफिया इनपुट होने की आशंका है, अब भी गायब है।

1962 की जंग में चीन का हमला काफी धीमा हो जाता अगर, सीडीएस अनिल चौहान ने किया बड़ा दावा

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच 1962 के युद्ध को लेकर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर उस समय भारतीय वायुसेना (आईएएफ) का इस्तेमाल किया गया होता, तो चीनी आक्रमण को काफी हद तक रोका जा सकता था। जनरल चौहान का यह बयान लेफ्टिनेंट जनरल एसपीपी थोराट की आत्मकथा 'रेवेली टू रिट्रीट' के संशोधित संस्करण के पुणे में हुए विमोचन के मौके पर एक वीडियो संदेश के दौरान आया। उन्होंने कहा कि उस दौर में वायुसेना की तैनाती को आक्रामक कदम माना जाता था, लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। उन्होंने 1962 में भारत की 'फॉरवर्ड पॉलिसी' को लद्दाख और नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी (वर्तमान अरुणाचल प्रदेश) में एकसमान तरीके से लागू करना रणनीतिक भूल बताया। उनके अनुसार, लद्दाख में जहां चीन पहले ही घुसपैठ कर चुका था, वहीं अरुणाचल में भारत का दावा मजबूत था, ऐसे में एक जैसी नीति अपनाना उचित नहीं था। जनरल चौहान ने यह भी कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल थोराट ने उस समय वायुसेना के इस्तेमाल का सुझाव दिया था, लेकिन सरकार ने अनुमति नहीं दी। अगर वायुसेना को तैनात किया जाता, तो भारतीय सेना को तैयारी का समय मिल सकता था और चीन के आगे बढ़ने की रफ्तार धीमी हो जाती। उन्होंने माना कि यह एक बड़ा अवसर था जो चूक गया। जनरल चौहान ने हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि अब वायुसेना का प्रयोग सैन्य रणनीति का सामान्य हिस्सा बन चुका है। इस ऑपरेशन में भारत ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर यह स्पष्ट कर दिया कि अब हम किसी भी खतरे का जवाब देने में संकोच नहीं करते।

'पहले 1,000 की शर्ट पर 117 रुपये टैक्स लगता, जीएसटी लागू होने के बाद'

किसी देश पर निर्भर रहना मंजूर नहीं... ट्रेड शो में बोले पीएम मोदी- चिप से शिप तक भारत में बनाना चाहते हैं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आज से आगाज हो गया है। ग्रेटर नोएडा में हो रहे इस ट्रेड शो में प्रदेश के उद्यमियों को वैश्विक मंच मिलेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आज उद्घाटन किया। उनके साथ सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी-2025 (UPITS-2025) में कहा, 'आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती है। उन्होंने हमें अंत्योदय का मार्ग दिखाया। अंत्योदय का अर्थ है, सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति का उत्थान, सबसे गरीब व्यक्ति तक विकास पहुंचना, सभी भेदभाव समाप्त हो, यही अंत्योदय है, और अंत्योदय में ही सामाजिक न्याय को बल मिलता है। आज भारत विकास के इसी मॉडल को दुनिया को दे रहा है। मुझे खुशी है कि 2,200 से ज्यादा प्रदर्शक यहां अपने उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस व्यापार मेले का कंट्री पार्टनर रूस है, यानी इस व्यापार मेले में हम एक समय-परीक्षित साझेदारी को और मजबूत कर रहे हैं। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सरकार के सभी सहयोगियों को बधाई देता हूं।'

यूपी में निवेश कीजिए, यूपी में मैन्युफैक्चर कीजिए: पीएम

पीएम मोदी ने कहा, "मैं आप सभी का आह्वान करता हूं, यूपी में निवेश कीजिए, यूपी में मैन्युफैक्चर कीजिए। यहां लाखों MSMEs का मजबूत नेटवर्क है, उनका सामर्थ्य इस्तेमाल कीजिए और एक कंप्लीट प्रोडक्ट यहीं तैयार कीजिए। इसके लिए हर मदद के साथ यूपी सरकार और भारत सरकार आपके साथ है। पीएम मोदी ने कहा, '2014 से पहले इतने सारे टैक्स थे कि बिजनेस की कॉस्ट और परिवार का बजट कभी संतुलित नहीं हो पाते थे। इसे संतुलित करना मुश्किल था। 2014 में 1,000 रुपये की शर्ट पर 117 रुपये टैक्स लगता था। 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद टैक्स घटकर 50 रुपये हो गया। अब नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म के बाद 1,000 रुपये की शर्ट पर सिर्फ 35 रुपये टैक्स देना होगा।'

भारत को आत्मनिर्भर बनाना ही होगा: पीएम मोदी

पीएम ने कहा, 'आज पूरे भारत में जितने मोबाइल फोन बनते हैं, उसमें से 55% मोबाइल उत्तर प्रदेश में बनते हैं। यूपी अब सेमीकंडक्टर सेक्टर में भी भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूती देगा। यहां से कुछ किलोमीटर दूर ही एक बड़ी सेमीकंडक्टर फैसिलिटी पर काम शुरू होने वाला है। भारत को आत्मनिर्भर बनाना ही होगा। हर वो उत्पाद जो हम भारत में बना सकते हैं, वो हमें भारत में बनाना है।'

इसलिए हम आपके व्यापार में आसानी के लिए काम कर रहे हैं। सरकार आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है, लेकिन सरकार की कुछ अपेक्षाएं भी हैं कि आप जो भी निर्माण कर रहे हैं, वह सर्वोत्तम गुणवत्ता का हो। आज देशवासियों के मन में ये बात है कि स्वदेशी उत्पादों की गुणवत्ता निरंतर बेहतर हो, इसलिए गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।'

गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, 'आज सरकार मेक इन इंडिया, मैन्युफैक्चरिंग पर इतना जोर दे रही है। हम चिप से लेकर जहाज तक, सब कुछ भारत में बनाना चाहते हैं, रहे हैं, और यूपी इसमें भी बड़ी भूमिका निभा रहा है। आज, भारत रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म की प्रतिबद्धता के साथ अपने उद्योग, व्यापारियों और नागरिकों के साथ खड़ा है। तीन दिन पहले जीएसटी में अगली पीढ़ी के सुधार लागू हुए। जीएसटी में ये बदलाव संरचनात्मक सुधार हैं जो भारत की विकास गाथा को नई उड़ान देंगे। ये जीएसटी पंजीकरण को सरल बनाएंगे, कर विवादों को कम करेंगे और एमएसएमई को तेजी से रिफंड सुनिश्चित करेंगे'

पुर्जे-पुर्जे पर मेड इन इंडिया की छाप हो: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, 'हमारी सेनाएं स्वदेशी चाहती हैं और दूसरों पर निर्भरता को कम करना चाहती हैं। इसलिए हम भारत में ही एक वाइब्रेंट डिफेंस सिस्टम विकसित कर रहे हैं, पुर्जे-पुर्जे पर मेड इन इंडिया की छाप हो, हम ऐसा एक इकोसिस्टम बना

हमारा संकल्प, हमारा मंत्र है - 'आत्मनिर्भर भारत': पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, 'आज भारत 2047 तक विकसित होने की लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। दुनिया में हो रहे विघटन और अनिश्चितता के बावजूद, भारत की वृद्धि आकर्षक है। विघटन हमें गुमराह नहीं करता; उस स्थिति में भी, हम नई दिशाएं खोजते हैं। इसलिए, इन विघटनों के बीच, आज भारत आने वाले दशकों की नींव को मजबूत कर रहा है। हमारा संकल्प, हमारा मंत्र है - 'आत्मनिर्भर भारत'।'

इस मौके पर सीएम योगी ने कहा, 'आज अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल की जयंती भी है। 70 वर्ष पूर्व उन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को एक नई दृष्टि दी थी और अंत्योदय को राष्ट्र उदय में बदलने का संकल्प दिलाया था। उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी एक विशेष अवसर है, यह केवल एक व्यापार प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि वर्तमान आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत के स्वदेशी मॉडल और प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड के विजन का एक स्वरूप भी है।'

दुनिया की सबसे शानदार ट्रेन 'महाराजा एक्सप्रेस' से वृंदावन पहुंचेंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी, स्कूलों में छुट्टी का ऐलान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वृंदावन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को दुनिया की सबसे शानदार ट्रेनों में से एक, महाराजा एक्सप्रेस में एक विशेष यात्रा पर निकलेंगी। जानकारी के अनुसार, यह विशेष सेवा नई दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से मथुरा के पास वृंदावन रोड स्टेशन तक चलेगी। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) द्वारा संचालित, महाराजा एक्सप्रेस का उपयोग आमतौर पर सर्दियों के दौरान उच्च श्रेणी के पर्यटक करते हैं।

एक रेलवे अधिकारी ने बताया, '18 डिब्बों वाली इस ट्रेन में महाराजा एक्सप्रेस के 12 डिब्बे होंगे, जिनमें राष्ट्रपति और उनके कर्मचारियों के लिए एक प्रेसिडेंशियल सुइट, डीलक्स सुइट, रेस्टोरेंट, लाउंज और पावर कार शामिल हैं। इसमें वरिष्ठ रेलवे कर्मचारियों के लिए दो मानक एसी डिब्बे भी होंगे।' अधिकारी ने आगे कहा, 'निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए इस विशेष ट्रेन में दो इंजन लगाए जाएंगे। एक इंजन चालू रहेगा, जबकि दूसरा तकनीकी समस्याओं से निपटने के लिए स्टैंडबाय पर रहेगा।' समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, सूत्रों ने बताया कि ट्रेन सुबह करीब 8 बजे सफदरजंग स्टेशन से रवाना होगी और सुबह 10 बजे तक वृंदावन रोड स्टेशन पहुँच जाएगी। राष्ट्रपति कार्यालय के एक बयान के अनुसार, वृंदावन की अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू श्री बांके बिहारी मंदिर, निधिवन और कुब्जा कृष्ण मंदिर में दर्शन और पूजा करेंगी, साथ ही सुदामा कुटी भी जाएँगी।

वृंदावन और मथुरा में मंदिर दर्शन

अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अपनी यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू सबसे पहले वृंदावन स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी और फिर मथुरा स्थित श्री कृष्ण जन्मस्थान मंदिर जाएँगी। एक अधिकारी ने बताया, 'चूँकि श्री कृष्ण जन्मस्थान मंदिर मथुरा जंक्शन के पास स्थित है, इसलिए राष्ट्रपति शाम को वापसी यात्रा के लिए वहाँ से विशेष ट्रेन में सवार होंगी।'

राष्ट्रपति की यात्रा के चलते सुरक्षा व्यवस्था कड़ी, स्कूलों में छुट्टी

मथुरा में बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की यात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा का बेहद कड़ा इंतजाम किया है। अधिकारियों ने बताया कि चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं। शहर के अधिकांश रास्तों पर प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है तथा मथुरा एवं वृंदावन के एक से लेकर 12वीं कक्षा तक के सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया की राष्ट्रपति की यात्रा के मद्देनजर मथुरा और वृंदावन में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस के 4000 जवानों एवं अधिकारियों सहित प्रांतीय सशस्त्र बल (पीएसी) की भी आठ कंपनियों (करीब 1000 जवान) को तैनात किया गया है।

दिल्ली से भी केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी व सुरक्षाकर्मी अपनी-अपनी भूमिका का सक्रिय रूप से निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति के आगमन से लेकर कार्यक्रम स्थलों तक, चप्पे-चप्पे की निगरानी की जाएगी। सभी आने-जाने वाले मार्गों पर सुरक्षा बलों की विशेष तैनाती होगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार राष्ट्रपति की यह निजी धार्मिक यात्रा होने के कारण मुख्यमंत्री के स्थान पर राज्य के कैबिनेट मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण राष्ट्रपति की अगवानी करेंगे।

सुरक्षा और समन्वय

सूत्रों ने बताया कि मार्ग पर सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों, स्टेशन मास्टरों, रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे बल के कर्मियों को विस्तृत निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि चूँकि यह यात्रा दो क्षेत्रों, उत्तर रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे, में फैली हुई है, इसलिए दोनों क्षेत्रों को आपस में समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया गया है।

रक्षा क्षेत्र में भारत को बड़ी कामयाबी, पहली बार रेल लॉन्चर से अग्नि-प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक और बड़ी कामयाबी हासिल की है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-प्राइम का सफल परीक्षण किया है। इस परीक्षण की सबसे खास बात यह रही कि मिसाइल को पहली बार विशेष रूप से डिजाइन किए गए रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर सिस्टम से दागा गया। यह परीक्षण अपनी तरह का पहला है और भारत की रणनीतिक क्षमताओं में एक नया अध्याय जोड़ता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल से इसकी जानकारी साझा की और परीक्षण का वीडियो भी जारी किया। उन्होंने बताया कि यह लॉन्चर सिस्टम बिना किसी पूर्व तैयारी के देशभर के रेल नेटवर्क पर कहीं से भी चल सकता है और कम समय में

जवाबी कार्रवाई करने में सक्षम है। इसकी सहायता से मिसाइल की लो विजिबिलिटी में भी लॉन्चिंग की जा सकती है, जो रणनीतिक दृष्टिकोण से बेहद अहम है। राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि पर, सामरिक बल कमान और सशस्त्र बलों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस सफल परीक्षण के साथ भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है जिनके पास रेल आधारित मोबाइल कैनिस्टराइज्ड लॉन्च सिस्टम विकसित करने की क्षमता है। अग्नि-प्राइम मिसाइल को ष्ठक्रष्ठह्व ने डिजाइन और विकसित किया है। यह मिसाइल 2000 किलोमीटर तक की मारक क्षमता रखती है और परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। यह नई पीढ़ी की मिसाइल है, जिसे कई आधुनिक तकनीकों से लैस किया गया है और यह उच्च सटीकता के साथ अपने लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है। गौरतलब है कि भारत के पास पहले से अग्नि-1 से लेकर अग्नि-5 तक की मिसाइल श्रृंखला मौजूद है। अग्नि-1 से अग्नि-4 की रेंज 700 किलोमीटर से लेकर 3500 किलोमीटर तक है, जबकि अग्नि-5 की रेंज 5000 किलोमीटर तक है। इसकी जद में चीन के उत्तरी क्षेत्र के साथ-साथ एशिया और यूरोप के कई हिस्से भी आते हैं। इस परीक्षण के साथ भारत की रणनीतिक क्षमताओं को नई मजबूती मिली है और देश की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता और भी अधिक विश्वसनीय हो गई है।

100 साल से हो रही रामलीला पर अब क्यों टूटी नींद?

एससी ने याचिकाकर्ता को लगाई फटकार; आयोजन को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक अहम फैसला सुनाते हुए उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के टुंडला में एक स्कूल मैदान पर 100 वर्षों से चल रहे रामलीला उत्सव पर रोक लगाने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने रामलीला के आयोजन को इस शर्त पर हरी झंडी दे दी कि इससे छात्रों की पढ़ाई या खेलकूद की गतिविधियों में कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए।

तीन जजों की पीठ की अध्यक्षता कर रहे जस्टिस सूर्यकांत ने इस मामले में जनहित याचिका (क्कद्धरु) दायर करने वाले याचिकाकर्ता से बेहद सख्त सवाल किए। जस्टिस कांत ने पूछा, यह उत्सव तो पिछले 100 सालों से होता आ रहा है। फिर

अब आपने आखिरी समय में कोर्ट का रुख क्यों किया? आप पहले क्यों नहीं आए? जब याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि आयोजन से स्कूल में पढ़ाई प्रभावित हो रही है, तो जस्टिस कांत ने फिर सवाल किया, लेकिन आप न तो छात्र हैं, न ही छात्र के अभिभावक और न ही संपत्ति के मालिक हैंज फिर आपने जनहित याचिका क्यों डाली? कोर्ट ने यह भी पूछा कि छात्रों या अभिभावकों की तरफ से कोई शिकायत क्यों नहीं आई है।

इससे पहले, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पाया था कि रामलीला के लिए स्कूल के खेल के मैदान में सीमेंट की इंटरलॉकिंग टाइलें बिछाई जा रही हैं और स्कूल के गेट का नाम बदलकर 'सीता राम द्वार' कर दिया गया है। हाईकोर्ट ने माना था कि इससे बच्चों की पढ़ाई और खेल के मैदान का अधिकार प्रभावित हो सकता है, जिसके चलते उसने आयोजन पर रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट के इसी आदेश के खिलाफ रामलीला महोत्सव समिति ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्ज्वल भुयान और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने रामलीला आयोजन समिति की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, चूंकि उत्सव शुरू हो चुके हैं, इसलिए हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाई जाती है। वहां इस शर्त के साथ उत्सव जारी रहेंगे कि बच्चों के खेलने या खेल गतिविधियों में कोई बाधा नहीं आएगी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से इस मामले में सभी पक्षों को विस्तार से सुनने का भी अनुरोध किया है।

भाजपा कितना भी झूठ बोले, हम पिछड़े वर्गों को पूरा हक दिलाने के लिए संकल्पबद्ध: राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चाहे कितना भी झूठ और भ्रम फैलाए, महागठबंधन अति पिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और पिछड़े समुदायों को पूरा अधिकार दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राहुल गांधी का यह बयान तब आया है, जब एक दिन पहले बिहार में विपक्षी गठबंधन ने 'अति पिछड़ा न्याय संकल्प' पत्र जारी किया है।

राहुल गांधी ने बुधवार को बिहार के प्रभावशाली अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) से वादा किया कि अगर इंडिया ब्लॉक सत्ता में आता है, तो अनुसूचित जाति/जनजाति अधिनियम की तर्ज पर एक नया कानून बनाकर

अत्याचारों से सुरक्षा दी जाएगी। यह ईबीसी आउटरीच पहल ऐसे समय में शुरू की गई है, जब कुछ ही दिनों में बिहार विधानसभा चुनाव का एलान हो सकता है। पटना में 'अति पिछड़ा न्याय संकल्प' नाम से कार्यक्रम हुआ था। जिसमें कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव सहित विपक्षी गठबंधन के अन्य नेता भी शामिल हुए। कांग्रेस नेता एक्स पर लिखा, भाजपा चाहे जितने भी झूठ बोले और ध्यान भटकाने की साजिश करे, हम अति पिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और पिछड़े समाज को उनका पूरा हक दिलाने के लिए संकल्पित हैं। बिहार में अति पिछड़ा समाज को मजबूत बनाने और उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए हमने 'अति पिछड़ा न्याय संकल्प पत्र' में ठोस वादे किए हैं। शिक्षा इन समुदायों की प्रगति का सबसे बड़ा साधन है, इसलिए इस क्षेत्र में उनकी पहुंच बढ़ाने के लिए विशेष संकल्प हैं। उन्होंने आगे लिखा, अब निजी कॉलेज और विश्वविद्यालयों में भी आरक्षण लागू होगा, निजी स्कूलों की आरक्षित आधी सीटें एससी/ एसटी/ ओबीसी/ ईबीसी बच्चों को मिलेंगी और नियुक्तियों में 'उपयुक्त नहीं पाया गया' जैसी अन्यायपूर्ण व्यवस्था खत्म होगी। यह केवल शिक्षा नहीं, बल्कि अति पिछड़ों की बराबरी और सम्मान की लड़ाई है। यही है सच्चा सामाजिक न्याय और समान विकास की गारंटी। बुधवार को अपने संक्षिप्त भाषण में राहुल गांधी ने दस प्रमुख संकल्प भी पढ़े, जो खासकर ईबीसी वर्ग और आमतौर पर एससी, एसटी, ओबीसी जैसे वंचित समुदायों के कल्याण से जुड़े हैं। नीतीश कुमार सरकार में कुछ साल पहले कराए गए सर्वे के मुताबिक, बिहार की कुल आबादी में ईबीसी की हिस्सेदारी 36 फीसदी है। राहुल गांधी ने वादा किया कि ईबीसी के लिए अत्याचार निवारण कानून बनाया जाएगा। स्थानीय निकायों और पंचायतों में ईबीसी को मिलने वाला आरक्षण 20 से बढ़ाकर 30 फीसदी किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि एससी, एसटी, ओबीसी और ईबीसी को मिलाकर सरकारी ठेकों (25 करोड़ रुपये तक), निजी शिक्षण संस्थानों में दाखिले और भूमिहीन परिवारों को शहरी क्षेत्रों में तीन डिसिमल व ग्रामीण क्षेत्रों में पांच डिसिमल जमीन देने की गारंटी होगी।

जीएसटी में बड़ी कटौती के बाद पीएम मोदी का एक और ऐलान, बोले- हम यहीं नहीं रुकेंगे, टैक्स और कम होगा

आर्यावर्त क्रांति

नोएडा। नवरात्रि के पहले दिन (22 सितंबर) जीएसटी में भारी कटौती का तोहफा देने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को देशवासियों को एक और खुशखबरी दी है। उन्होंने भविष्य में टैक्स दरों में और भी कमी किए जाने का स्पष्ट संकेत देते हुए कहा कि जैसे-जैसे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, आम आदमी पर टैक्स का बोझ भी कम होता जाएगा। गुरुवार को उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज देश जीएसटी बचत उत्सव मना रहा है। लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं कि हम यहीं नहीं रुकने वाले। देशवासियों के आशीर्वाद से जीएसटी रिफॉर्म का यह सिलसिला निरंतर चलता रहेगा। उन्होंने वादा किया कि जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, टैक्स का बोझ कम किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने 2014 से पहले और आज के टैक्स स्ट्रक्चर की तुलना करते हुए बचत का पूरा गणित समझाया। उन्होंने कहा, अगर कोई परिवार 2014 से पहले साल में एक लाख रुपये का सामान खरीदता था, तो उसे लगभग 25 हजार रुपये टैक्स देना पड़ता था। लेकिन अब 'नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी' के बाद उसी एक लाख की खरीदारी पर सिर्फ 5 से 6 हजार रुपये का टैक्स ही देना पड़ेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि 2014 से पहले एक हजार रुपये की शर्ट पर 117 रुपये टैक्स लगता था, जो अब घटकर सिर्फ 35 रुपये रह गया है। इसी तरह, टूथपेस्ट और शैंपू जैसे रोजमर्रा के सामान पर जहां पहले 31त्न टैक्स लगता था।

मौसेरे भाई से अफेयर... युवक संग चली गई युवती, नाराज बाप ने प्रेमी के बड़े भाई को मारा, चाकू से 15 जगह गोदा

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले से दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है। यहां प्रेम प्रसंग के चलते युवती अपने मौसेरे भाई के साथ घर से चली गई। इससे खफा होकर युवती का पिता अपने साढ़ू के बड़े बेटे रिजवान (26) को घर से ले गया और मंगलवार रात चाकू से गोदकर सड़क पर फेंक दिया। उपचार के दौरान मेरठ में घायल रिजवान की मौत हो गई। पुलिस हत्यारोपी की तलाश में जुटी है।

मंगलवार रात करीब 12 बजे बिजनौर-मंडावर मार्ग से गजरौला की तरफ जाने वाले रास्ते पर किरतपुर के मोहल्ला जाटान का रहने वाला रिजवान उर्फ राजा लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। पुलिस ने घायल

रिजवान को मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया, यहां से उसे मेरठ के लिए रेफर कर दिया।

उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतक की मां ताहिरा पत्नी सरफराज ने रिपोर्ट दर्ज कराई। ताहिरा ने बताया कि दिल्ली में रहने वाली उसकी बहन शाकरा का पति अनीस कुरैशी सोमवार दोपहर 11 बजे किरतपुर आया। जो कि उसके बेटे रिजवान उर्फ राजा को अपने संग ले गया और उसकी हत्या कर दी।

रिजवान घायल हालत में पड़ा मिला था, उसे मेडिकल कॉलेज ले गए थे। वहां उसके बयान लिए गए थे। रिजवान का भाई आरोपी की बेटी को ले गया था। हत्यारोपी की तलाश की जा रही है। - **गौतम राय, सीओ सिटी, बिजनौर**

मौसेरे भाई गुफरान के साथ घर से कहीं चली गई अनीस की बेटी

ताहिरा ने बताया कि चार दिन पहले अनीस कुरैशी की बेटी अपने मौसेरे भाई गुफरान के साथ घर से कहीं चली गई। इसके बाद अनीस अपनी रिश्तेदारी में किरतपुर पहुंचा, गुफरान के बड़े भाई रिजवान को अपने संग ले गया। कहा कि दोनों को तलाश करना है।

मौसा ने की रिजवान की हत्या

रिजवान दो दिनों तक अपने छोटे भाई और उसकी प्रेमिका अपनी मौसेरी बहन को तलाश करवाता रहा। जिनके नहीं मिलने पर किसी अन्य के साथ मिलकर मौसा ने रिजवान की हत्या कर दी। बुधवार शाम रिजवान का शव मेरठ से घर पहुंचा तो परिवार में मातम छा गया।

होटल पर रोटी बनाता था रिजवान

रिजवान किरतपुर में ही एक होटल पर रोटी बनाने का काम करता था, जिसकी करीब डेढ़ साल पहले ही शादी हुई थी। रिजवान अपने पीछे दो महीने की बेटी और पत्नी समेत पूरे परिवार को रोता बिलखता छोड़ गया है।

शरीर में 15 जगह किया चाकू से वार

छोटा भाई मोहब्बत की खातिर अपनी मौसेरी बहन को संग ले गया, जिसकी सजा रिजवान को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। दरअसल मौसा ने रिजवान पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। चिकित्सकों का दावा है कि उसके शरीर में करीब 15 जगहों पर चाकू घोंपा गया था।

बिजनौर मेडिकल अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया कि रिजवान के शरीर पर आधा दर्जन से अधिक घाव बने हुए थे। उसे बेहद नाजुक हालत में अस्पताल में लाया गया था। बता दें कि दो दिनों से अपने मौसा के संग घूमकर रिजवान भाई और मौसेरी बहन को तलाश करवा रहा था। दोनों नहीं मिले तो मौसा अनीस कुरैशी निवासी मोहल्ला जाब्तागंज नजीबाबाद हाल निवासी दिल्ली ने अपने साथियों के साथ मिलकर रिजवान पर चाकू से हमला कर दिया।

सूत्रों का दावा है कि जिस पर समय रिजवान पर चाकू से हमला किया जा रहा था तो किसी राहगीर ने देख लिया। ऐसे में हत्या का आरोपी अपनी कार भी मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए। जिस जगह पर रिजवान पुलिस को लहूलुहान हालत में पड़ा मिला था, उस जगह पर गजरौला अचपल के रास्ते पर आरोपियों की लाल रंग की कार भी खड़ी मिली। जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है।

जान से मारने की धमकी दे चुका था आरोपी

लड़की के प्रेमी के चले जाने के बाद ही आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी थी। रिजवान की मां ने बताया कि उसके बहनोई ने धमकी दी थी कि उसकी लड़की को ले जाने वाले को वह नहीं छोड़ेगा। इसके बाद वह किरतपुर आया और रिजवान से कहा कि वह उसके भाई को नहीं मारेगा, बस उसकी बेटी को तलाश करवा दे। बताया कि गुफरान करीब डेढ़ महीन पहले ही सऊदी अरब से आया था। इसके बाद वह चंडीगढ़ में काम करने की बात कहकर घर से निकला, मगर इसी बीच वह अपनी मौसेरी बहन को संग ले गया।

शिया युवक पर तीन तलाक मामले में दर्ज मुकदमे की पूरी कार्यवाही पर रोक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शिया समुदाय के शाहिद रजा व दो अन्य के खिलाफ तीन तलाक देने के आरोप में दर्ज मुकदमे की संपूर्ण कार्यवाही पर रोक लगा दी है। साथ ही पत्नी से जवाब मांगते हुए सुनवाई के लिए अगली तिथि 12 दिसंबर नियत की है। यह आदेश न्यायमूर्ति विक्रम डी.चौहान ने दिया है।

अमरोहा निवासी याची शाहिद रजा व दो अन्य पर नौगावां थाने में तीन तलाक देने के आरोप मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस ने मामले में आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। ट्रायल कोर्ट ने आरोप पत्र का संज्ञान लेकर आरोपियों के खिलाफ समन आदेश जारी किया है। आरोपियों ने मुकदमे की संपूर्ण कार्यवाही को रद्द करने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की है। याची के अधिवक्ता समर्थ सिन्हा ने दलील दी कि याची शिया समुदाय के हैं। शिया मुस्लिम तीन तलाक या तलाक ए बिद्दत को मान्यता नहीं देते हैं। तीन तलाक का प्रावधान शिया समुदाय पर लागू नहीं होता। इसलिए तीन तलाक का केस उन पर नहीं बनता है। कोर्ट ने मामले को विचारणीय मानते हुए मुकदमे की संपूर्ण कार्यवाही पर रोक लगा दी है।

शिया समुदाय में तीन तलाक को मान्यता नहीं

कोर्ट ने इस आदेश में जमीयत उलेमा हिंद केस में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का आधार लिया है। इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि मुस्लिमों में शिया और सुन्नी दो संप्रदाय हैं। तीन तलाक सुन्नी समुदाय में मान्य है। शिया में तीन तलाक को मान्यता नहीं दी गई है।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस का संगोष्ठी आयेजित

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन शाखा सुलतानपुर के तत्वावधान में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय सुलतानपुर प्रांगण में विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया गया। जिसमें जनपद के फार्मासिस्टो ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के मंत्री लक्ष्मण स्वरूप श्रीवास्तव ने बताया कि विश्व फार्मासिस्ट दिवस 25 सितम्बर को मनाया जाता है। ताकि स्वास्थ्य सेवा में सुधार के लिए उनके योगदान को स्वीकार किया जा सके। यह दिन दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवाओं में फार्मासिस्ट के योगदान को मनाने और बढावा देने के लिए मनाया जाता है। क्योंकि वे दवा प्रबंधन औररोगी देख भाल में महत्वपूर्ण भूमिकानिभाते हैं। एसोसिएशन के अध्यक्षशशि कांत मिश्रा ने बताया कि फार्मासिस्ट दिवस अपने 16 वे वर्ष में यह अभियान दुनिया भर में फार्मेसी पेशेका जश्न मनाना जारी रखता है। और अधिक टिकाऊ स्वास्थ्य प्रणालियों में इसके अवाश्यक योगदान को बढ़ाता है। भारत में फार्मेसी के जनक प्रोफेसर महादेव लाल श्राफ को माना जाता है। जिन्होंने 1932 में जन्म लिया था। सभा में प्रभारी अधिकारी फार्मेसीशोभनाथ मिश्र, चीफ़ फार्मासिस्ट दिलिप श्रीवास्तव, अजीत सिंह, अमरीश सिंह, आर बी सिंह, अमर नाथ श्रीवास्तव, विमलेश मिश्रा, रुद्र शंकर, के पी पांडे, रमेश पांडे, परिक्षित उपाध्याय, दिपेन्द्रबरनवाल, विनय जायसवाल, विजय गौतम, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष विनोद कुमार यादव, राज्य कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष ओम प्रकाश गौड़ ने सभा का संचालन किया राजकीय नर्सेज संघ की अध्यक्ष रेनू मिश्रा आदि उपस्थित थे।

विंदेश्वरीगंज बाजार में व्यापार मंडल का हुआ गठन, पदाधिकारी चुने गए

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल तहसील बलदीराय के बहुरावां विंदेश्वरीगंज बाजार में व्यापारी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रमेश अग्रहरि ने की, जबकि मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री रवीन्द्र त्रिपाठी रहे।

बैठक में सर्वसम्मति से विंदेश्वरीगंज कस्बे का व्यापार मंडल गठित किया गया। इसमें रमाकांत वैश्य को अध्यक्ष, पांडेय महामंत्री को सचिव तथा विष्णु सागर कोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके साथ ही नन्द किशोर गुप्ता, हरिश्चंद्र जयसवाल, अरविंद कुमार अग्रहरि, जितेंद्र साहू, अवधेश अग्रहरि और राहुल अग्रहरि उपाध्यक्ष चुने गए। मंत्री पद पर सरयु प्रसाद चौरसिया, कालीचरण अग्रहरि, जयप्रकाश सिंह, अजीत सिंह और अनिल द्विवेदी को जिम्मेदारी दी गई,

जबकि रूपेश द्विवेदी को संरक्षक नियुक्त किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री रवीन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि सरकार ने व्यापारियों को बड़ी राहत देते हुए जीएसटी दर घटाई है, जो व्यापार जगत के लिए वरदान साबित होगी। उन्होंने "स्वदेशी अपनाओ, देश बचाओ" का नारा दोहराकर व्यापारियों को जागरूक किया और इसे समय की आवश्यकता बताया।इस अवसर पर प्रदेश संगठन मंत्री अनूप श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र अग्रहरि और बलदीराय तहसील अध्यक्ष मुकेश अग्रहरि ने भी व्यापारियों को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन नरेंद्र अग्रहरि ने किया।बैठक में राम उचित दुबे, दुर्गज प्रजापति, गुड्डू तिवारी, राधेश्याम, दीपू सिंह, अभिषेक अग्रहरि, दिनेश यादव सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

20 लाख की फिरौती, 5 लाख में सेटेलमेंट...आगरा का कांस्टेबल बन गया किडनैपर, कैसे फेल हो गया छात्र के अपहरण का प्लान?

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक पुलिसकर्मी सहित तीन लोगों ने मिलकर एक छात्र का अपहरण कर लिया और उसके परिवार से 20 लाख रुपये की फिरौती मांगी। मामले में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के भीतर छात्र को सुरक्षित छुड़ा लिया और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मामला सोमवार की रात की है। मामले में बाह के रहने वाले एक छात्र हर्षवर्धन (23) को सिकंदरा स्थित कारगिल चौराहे से कार में अगवा कर लिया गया था। अपहरण का आरोप सैंया थाना में तैनात सिपाही मोनू तालान और उसके दो साथियों, राहुल और राजकुमार पर लगा है। पीड़ित हर्षवर्धन अपने भाई के साथ न्यू आगरा में रहकर एसएससी की तैयारी करता है। जानकारी के मुताबिक,

राहुल और राजकुमार, जो हर्षवर्धन को जानते थे, उन्होंने सिपाही मोनू तालान के साथ मिलकर छात्र के अपहरण की योजना बनाई थी।

मांगी 20 लाख की फिरौती

अपहरण के बाद, आरोपियों ने रात करीब 2:30 बजे हर्षवर्धन के भाई कुशल सिंह को फोन किया और 20 लाख रुपये की फिरौती मांगी। उन्होंने धमकी दी कि अगर रकम नहीं दी गई तो वे हर्षवर्धन को झूठे आरोप में जेल भेज देंगे या फिर यमुना में बहा देंगे। परिवार के बहुत घबराने के बाद और रकम कम करने की गुहार लगाने पर, आरोपी 5 लाख रुपये पर राजी हो गए।

पुलिस छात्र को सही सलामत बचाया

मंगलवार शाम को हर्षवर्धन के भाई ने थाना न्यू आगरा पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद एसीपी हरीपर्वत अक्षय संजय महाडिक ने तुरंत एक टीम बनाई। पुलिस ने फिरौती देने के बहाने आरोपियों को पोइया घाट के पास बुलाया। सर्विलांस की मदद से पुलिस ने तीनों आरोपियों को दबोच लिया और हर्षवर्धन को सही सलामत बचा लिया।

पीड़ित ने बताई आपबीती

डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि फिरौती के लिए अपहरण का केस दर्ज कर लिया गया है। पकड़े गए तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। छात्र हर्षवर्धन ने बताया कि अपहरणकर्ताओं ने उसे पूरी रात कार में घुमाया, खाना नहीं दिया और लगातार धमकाते रहे।

आरोपी सिपाही पहले से कई केस दर्ज

जांच में सामने आया है कि आरोपी सिपाही मोनू तालान का पहले से ही आपराधिक रिकॉर्ड है। डीसीपी सिटी के अनुसार, सिपाही पर पहले भी तीन केस दर्ज हुए हैं। जिसमें साल 2019: ग्रेटर नोएडा के जेवर थाने में बलवा, बंधक बनाने और सरकारी कार्य में बाधा का केस। साल 2023: हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर थाने में दुष्कर्म और धोखाधड़ी का केस और साल 2023: बरेली के फरीदपुर थाने में मारपीट और जान से मारने की धमकी का केस शामिल है।

मामले को लेकर एसीपी हरीपर्वत ने बताया कि सिपाही मोनू तालान ने यह वारदात वीआईपी ड्यूटी के बाद की थी। वह 20 सितंबर को ड्यूटी पर आया था और अगले दिन वीआईपी ड्यूटी के बाद बिना बताए गायब हो गया था। पुलिस के मुताबिक, हर्षवर्धन ऑनलाइन गेम से पैसे कमाता था, जिसकी जानकारी आरोपियों को हो गई थी और यही अपहरण का मकसद था।

विकास प्राधिकरण बनने का रास्ता साफ 44 गांव होंगे शामिल

सुलतानपुर। शहरवासियों के लिए खुशखबरी हैं लंबे समय से चर्चा में रहे सुलतानपुर विकास प्राधिकरण के गठन का रास्ता लगभग साफ हो गया हैं शासन को भेजे गए प्रस्ताव पर तेजी से कार्रवाई हो रही हैं हाल ही में 44 गांवों का सजरा और मानचित्र आवासीय एवं शहरी नियोजन विभाग को भेजा गया हैं अब नियोजन विभाग इन गांवों का मानचित्र तैयार कर डीएम को भेजेगा शासन से स्वीकृति मिलने के बाद जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बोर्ड की बैठक होगी और फिर आगे की प्रक्रिया शुरू होगी। उप जिलाधिकारी सदर विपिन द्विवेदी ने बताया कि डीएम की ओर से भेजे गए प्रस्ताव में सुलतानपुर को 100 में से 65 अंक मिले हैं प्राधिकरण के गठन के लिए न्यूनतम 60 अंक जरूरी होते हैं ऐसे में सुलतानपुर विकास प्राधिकरण के गठन की संभावना और प्रबल हो गई हैं प्राधिकरण बनने के बाद शहर का फैलाव और अधिक होगा अभी तक शहर साढ़े चार किमी क्षेत्रफल तक सीमित हैं।

परचून व्यापारी का कत्ल किया, इसलिए अंतिम यात्रा में भी पहुंचे...चार दिन बाद खुला सनसनीखेज राज

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा के सिकंदरा थाना क्षेत्र में 4 दिन पहले घर के अंदर अधेड़ युवक का शव मिला था। पुलिस ने हत्या के आरोप में उनके के साथ रहने वाले संकित सविता ओर उसके दोस्त प्रशांत सविता को गिरफ्तार कर लिया। दोनों ने रूपयों के लालच में हत्या की थी।

पुलिस ने बताया कि आरोपियो ने राजकुमार की चाकू से गोदकर हत्या की। उसके बाद तैयार होकर घर से निकल गए। सुबह पुलिस के पहुंचने पर फिर पहुंच गए। घटना स्थल से लेकर अंतिम संस्कार तक दोनों आरोपी साथ रहे।

वोट चोरी के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान का किया गया शुभारंभ

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस जनपद में हस्ताक्षर अभियान चलाएगी। शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर गुरुवार को कांग्रेस कार्यालय के प्रांगण में जिला कांग्रेस कमेटी के समस्त पदाधिकारी, समस्त ब्लॉक अध्यक्ष व विधानसभा प्रभारियों और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर इसका शुभारंभ किया गया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी के सच को देश के सामने लाकर भाजपा और चुनाव आयोग को बेनकाब किया है। वोट चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान की आज शुरुआत की गई और यह अभियान जिले के पांचो विधानसभाओं के सभी ब्लॉकों में ग्राम सभा व बूथ स्तर पर चलाया जाएगा। आगे कहा कि इस अभियान में तेजी लाने के लिए नामित किए गए विधानसभा/ब्लॉक प्रभारी ब्लॉक अध्यक्ष व मंडल के पदाधिकारी के साथ-साथ न्याय पंचायत बूथ स्तर तक पदाधिकारी गांव गांव जाकर उन्हे वोट चोरी का सच बताकर उन्हें जागरूक करने का काम करेंगे। वहीं उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस के सभी विंग-युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवा दल, एनएसयूआई और सभी विभाग व प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों द्वारा गांव मोहल्लों में कैंप लगाकर हस्ताक्षर अभियान चलाकर वोट चोरी रोकने के लिए और लोगों को जागरूक करके हस्ताक्षर अभियान को सफल बनाएगी। इस मौके पर वरिष्ठ नेता हरीश त्रिपाठी, हौसला प्रसाद भीम, अजय कुमार पांडे,अपरबल सिंह, राजेश तिवारी, राहुल त्रिपाठी, कुमारी निकलेश सरोज, सुरेश चंद्र मिश्र, आवेश अहमद, रामशरण गौतम,ओम प्रकाश चौटाला,विजयपाल, इश्तियाक अहमद,मनोज कुमार तिवारी, ओमप्रकाश दुबे, पवन मिश्र खड्सरा आदि लोग उपस्थित रहे।

सोनभद्र में यूरेनियम के लिए खोदाई... म्योरपुर के नकटू में 785 टन मौजूदगी के सबूत, 31 अन्य स्थान भी चिह्नित

आर्यावर्त संवाददाता

सोनभद्र। देश में यूरेनियम के भंडार की खोज में जुटे परमाणु ऊर्जा विभाग को सोनभद्र में बड़ी संभावना मिली है। म्योरपुर ब्लॉक के नकटू में 785 टन यूरेनियम ऑक्साइड की मौजूदगी के साक्ष्य मिले हैं। इसकी विस्तृत खोज शुरू की गई है।

इसके अलावा कूदरी, अंजनगिरा के पहाड़ी-जंगली क्षेत्र में यूरेनियम की खोज के लिए अनुसंधान चल रहा है। परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) ने नकटू के अलावा भी 31 ऐसे स्थान चिह्नित किए हैं, जहां यूरेनियम के भंडार होने की संभावना है।

सर्वेक्षण के नतीजे अनुकूल रहे तो भारत सरकार के न्यूक्लियर एनर्जी मिशन में यूपी का सोनभद्र बड़ी भूमिका निभा सकता है। भारत को 2047 विकसित राष्ट्र का दर्जा

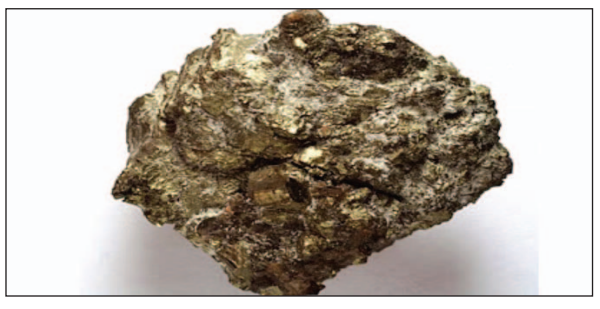

दिलाने के लिए सरकार न्यूक्लियर एनर्जी मिशन पर काम कर रही है।

12 राज्यों की 47 जगहों पर यूरेनियम का बड़ा भंडार

गत जुलाई माह में 12 राज्यों की 47 जगहों पर यूरेनियम का बड़ा भंडार पाए जाने की जानकारी सामने आई थी। एएमडी की ओर से जून तक चले अनुसंधान कार्य के जरिए सामने आई स्थितियों के हवाले से केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने दावा किया था कि 12 राज्यों में 47 स्थलों पर यूरेनियम ऑक्साइड का बड़ा भंडार (433800 टन) मिलने की पुष्टि हुई है।

इसमें सोनभद्र का नकटू भी शामिल है, जहां 785 टन यूरेनियम होने की संभावना जताई गई है। यहां विस्तृत सर्वेक्षण का काम चल रहा है। बता दें कि परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) पिछले पांच साल से जिले में खोदाई-परीक्षण का काम कर रहा है।

अब बड़ी मात्रा में यूरेनियम की संभावनाओं के बाद आदिवासी बहुल पिछड़े क्षेत्र में नए औद्योगिक विकास की उम्मीदें भी बढ़ने लगी हैं। माना जा रहा है कि इसे लेकर जल्द ही बड़ा औपचारिक एलान भी सामने आ सकता है। ज्येष्ठ खान अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग की सीधी निगरानी में सर्वेक्षण कार्य हो रहा है। इसकी रिपोर्ट भी सीधे वहीं भेजी जाती है।

यहां जताई जा रही संभावना

दुद्धी-म्योरपुर के बीच तीन, आजनगीरा-कूदरी के पास छह, लाखर, बभनी, मुर्राटोला, जौराही, रंपाकूरर एरिया में छह रिहंद किनारे मेजरूत एरिया में चार, बीजपुर, नकटू, कूदर नवाटोला क्षेत्र में नौ और रिहंद से सटी कुंडारघाटी एरिया में चार ऐसे स्थल चिन्हित किए गए हैं जहां यूरेनियम अयस्क के अच्छी-खासी उपलब्धता की संभावना जताई गई है। जिले में अब तक यूरेनियम का जो भंडार पाया गया है वह यू-308 श्रेणी का है, जिसका उपयोग परमाणु रिएक्टरों में ईंधन के रूप में किया जाता है।

छत्तीसगढ़ बार्डर तक स्थान चिह्नित

वर्ष 2006 से 2025 के बीच सामने आई विभिन्न रिपोर्टों और जिले में चल रहे अनुसंधान कार्यों पर नजर डालें तो पता चलता कि रिहंद डैम के तटवर्ती इलाकों से लेकर रेणुकूट परिक्षेत्र, दुद्धी तहसील के झारखंड-छत्तीसढ़ से सटे क्षेत्रों में नकटू सहित 32 स्थल ऐसे हैं, जहां यूरेनियम का व्यापक भंडार होने की संभावना व्यक्त की गई है।

पूर्व में जियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया की तरफ से किए गए सर्वे में भी संबंधित एरिया में यूरेनियम की मौजूदगी का संकेत दिया जा चुका है। सोनभद्र- सिंगरौली में कोयले का बड़ा भंडार होने के कारण जिला पहले से तापीय विद्युत संयंत्रों का हब बना हुआ है।

अब परमाणु ऊर्जा के बड़े स्रोत की सामने आती संभावना को देखते हुए कहा जा रहा है कि आने वाले समय में जिला परमाणु बिजली का भी महत्त्वपूर्ण केंद्र बना दिखाई दे सकता है।

गोसाईंगंज ब्लाक संसाधन केंद्र पर शिक्षकों ने काली पट्टी बांध कर चलाया हस्ताक्षर अभियान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा देश के शिक्षकों को टेट उत्तीर्ण किए जाने के आदेश की बाध्यता से मुक्त किए जाने एवं भारत सरकार के 2017 NCTE की नियमावली में संशोधन किए जाने पर काली पट्टी बांधकर शिक्षकों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ संबद्ध अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय के आह्वान पर गोसाईंगंज व ब्लाक संसाधन केंद्र पर गुरुवार को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा देश के शिक्षकों को टेट उत्तीर्ण किए जाने के आदेश की बाध्यता से मुक्त किए जाने एवं भारत सरकार के 2017 NCTE की नियमावली में संशोधन किए जाने हेतु दिनांक 22 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक काली पट्टी बांधकर एवं हस्ताक्षर अभियान चलाकर विरोध प्रदर्शन के क्रम में आज दिनांक 24 सितम्बर को विकास खंड गोसाईंगंज में ब्लॉक अध्यक्ष गोसाईगंज एवं जिलामंत्री बृजेश कुमार मौर्य के नेतृत्व में शिक्षकों द्वारा काली पट्टी बांधकर एवं हस्ताक्षर अभियान चलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर बृजेश कुमार मौर्य, मोहिंदर पाण्डेय, सचिन दिवाकर, अबुल क़ासिम अब्बासी, अजिता सिंह, इंदू जायसवाल, मीना गुप्ता,प्रतिमा द्विवेदी, अवधेश नारायण, बृजेश चतुर्वेदी,अल्का गुप्ता,नीलिमा तिवारी,जगतपाल, चेतना दुबे,संतोष राय, ज्योति सिंह, अजय शुक्ला,नमिता सिंह,नीरज साहू,संतोष सिंह,मीना सिंह, अरुण मिश्रा,सुधा निगम, रंजना विष्ट,आशा शर्मा,मेराज रसूल, विपिन राजवंशी, स्नेहलता आर्य, शक्ति अग्रवाल,एवं गोसाईगंज के सैंकड़ो शिक्षक उपस्थित रहे।

यूपी की नई पहल से खुलेगा 20 हजार करोड़ के निवेश का रास्ता, देश में पहला पायलट प्रोजेक्ट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। देश में पहली बार यूपी में निवेशकों को घर बैठे एनओसी देने का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। केंद्रीय टीम की सलाह पर इन्वेस्ट यूपी को ये जिम्मेदारी दी गई है। शुरुआत लखनऊ, कानपुर, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यीडा और गोरखपुर में एनओसी के इंतजार में अटके करीब 700 निवेश से होगी। इसके लिए 28 रिलेशनशिप मैनेजरों की नियुक्ति की गई है जो प्रत्येक निवेशक के पास जाएंगे और उनसे फाइल लेकर विभागों से एनओसी दिलाएंगे। इस कवायद से तीन महीने में लगभग 20 हजार करोड़ के निवेश जमीन पर उतरने की उम्मीद है।

दरअसल, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) की सचिव मीता आर. लोचन ने निवेश और निवेशकों की समस्याओं को लेकर

यूपी के कई जिलों का दौरा किया था। उन्होंने लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर और वाराणसी जैसे जिलों में निवेश की स्थिति परखी थी। इसमें लैंड अप्रूवल यानी जमीन संबंधी अनुमति और विभागों से जारी होने वाले अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) निवेश की राह में दो प्रमुख बाधाएं सामने आई थीं। इन वजहों से छह शहरों में करीब 700 प्रोजेक्ट अटके थे। इसे देखते हुए उन्होंने एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने को कहा था। इसी क्रम में यह यह कवायद शुरू हुई है।

ये समस्याएं आती हैं सामने

इस संबंध में तैयार रिपोर्ट के मुताबिक जमीन संबंधी तीन तरह की दिक्कतें सामने आईं। पहली, जहां जमीन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, वहां निवेशकों की रुचि कम है। दूसरी, जमीन है, लेकिन कृषि भूमि है जिसके लैंड यूज चेंज में तमाम बाधाएं हैं। तीसरी, जमीन ही नहीं है, लेकिन निवेश प्रस्ताव ढेर सारे हैं। इसके अलावा निवेश मित्र के जरिये मिलने वाले एनओसी संबंधी मामले थे। किसी भी इकाई की नींव डालने के लिए कम से कम 8-10 विभागों की एनओसी चाहिए। वहीं, इकाई तैयार होने तक 38 से 40 विभागों की एनओसी की जरूरी होती है। इन बाधाओं को दूर करने और निवेशकों की भागदौड़ खत्म करने के लिए यह पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है।

लखनऊ से होगी शुरुआत

पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत लखनऊ से होगी। यहां 12 हजार करोड़ के 400 निवेश एनओसी के फेर में फंसे हैं। इसके बाद नोएडा, कानपुर, गोरखपुर, यीडा और ग्रेटर नोएडा में इसे लागू किया जाएगा। इन शहरों में आए निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए उद्यमी मित्रों को रिलेशनशिप मैनेजर बनाया गया है। ये मैनेजर निवेशक के पास जाएंगे और उनकी जगह विभागों में जाकर एनओसी सहित सभी आपत्तियों को दूर कराएंगे। इस काम को इन्सटेंट अप्रूवल मेम्बर्स नाम दिया गया है। ये पायलट प्रोजेक्ट तीन माह में सभी छह शहरों में लागू कर दिया जाएगा। इसके लिए लखनऊ और ग्रेटर नोएडा में 5-5, नोएडा, गोरखपुर व यीडा में प्रत्येक में 4 और कानपुर में 6 रिलेशनशिप मैनेजरों की नियुक्ति की गई है।

○ संक्षेप ○

लखनऊ दक्षिणी कमिश्नरेट में मिशन शक्ति 5.0 अभियान

लखनऊ। थाना पीजीआई में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान डीसीपी दक्षिणी, एडिशनल डीसीपी दक्षिणी और एसीपी गोसाईगंज मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं एवं छात्राओं को साइबर क्राइम से बचाव के तरीके बताए और ऑनलाइन ठगी व धोखाधड़ी से सतर्क रहने की अपील की।

लखनऊ में घर में सेंधमारी, दो मोबाइल व स्टील का सामान चोरी

लखनऊ। राजधानी के गोमतीनगर क्षेत्र में चोरी की वारदात सामने आई है। विभवखण्ड निवासी अजीत सिंह ने थाना विभूतिखण्ड में तहरीर देकर बताया कि 23 सितम्बर की रात करीब आठ बजे से दस बजे के बीच अज्ञात चोर उनके घर की दीवार फांदकर अंदर घुस आए। चोर घर से दो मोबाइल फोन और स्टील का सामान चोरी करके फरार हो गए।घटना की जानकारी मिलते ही थाना विभूतिखण्ड पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए मामला दर्ज किया। वादी की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 357/2025 धारा 305(ए) बीएनएस बनाम अज्ञात के तहत अभियोग पंजीकृत किया है। पुलिस टीम ने मौके पर जांच-पड़ताल की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और फुटेज व अन्य साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही आरोपी की शिनाख्त कर गिरफ्तारी की जाएगी।<

बीबीएयू में दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर आयोजित कार्यक्रम

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 25 सितम्बर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति उपवन में एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की।इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने उनके जीवन, आदर्शों और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों पर प्रकाश डाला। समाजसेवा के क्षेत्र में उनके योगदान, जनकल्याण के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता और देश की उन्नति के लिए उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन को स्मरण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार की सक्रिय भागीदारी रही। कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार सिंह, प्रो. शिल्पी वर्मा, डॉ. राजश्री समेत अनेक शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर किया नमन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एकात्म मानववाद के प्रणेता, प्रखर राष्ट्रभक्त और महान चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए उनकी स्मृति को श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन दर्शन आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके जीवनकाल में था। उन्होंने भारतीय राजनीतिक मूल्यों को एक नई दिशा देते हुए एकात्म मानववाद और अंत्योदय जैसे विचारों का प्रतिपादन किया, जो समाज के सर्वांगीण विकास और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए आज भी मार्गदर्शक बने हुए हैं।मौर्य ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपने जीवन को राजनीति की

शुचिता, पारदर्शिता और समाजसेवा के लिए समर्पित किया। उनका 'अंत्योदय' का विचार सामाजिक समरसता और समग्र विकास की प्रेरणा देता है। उन्होंने समाज के वंचित वर्ग के लिए आजीवन कार्य किया और अपने विचारों से राष्ट्र के निर्माण में नई चेतना का संचार किया।उन्होंने यह भी कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिस उज्ज्वल भारत का सपना देखते थे, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वही सपना साकार हो रहा है, जहाँ सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच रहा है।

बकाया पैसा मांगने पर किया जानलेवा हमला

गोसाईगंज। गोसाईगंज क्षेत्र के अमेठी में अपना बकाया पैसा मांगने से गुस्साए व्यक्ति ने पैसा मांगने वाले पर जान लेवा हमला कर दिया। घायल की इलाज के।लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नगर पंचायत अमेठी के चौगनपुर वार्ड के रहने वाले सुरेश कुमार के अनुसार गुरुवार की दोपहर उनका भाई सुरेन्द्र वहीं पास के रहने वाले सलमान पुत्र नवाब अली से अपने बकाया रूपया मांगने लगा।जिससे गुस्साए सलमान ने उसके भाई सुरेन्द्र को जान से मार देने की नियत से उस पर ईंट गुम्मों से हमला कर दिया।जिससे व गंभीर रूप से घायल हो गया।यह देख वहां लोगों की भीड़ इकट्ठा होने लगी तो आरोपित सुरेंद्र को जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया।वही परिजन उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोसाईगंज ले गए जहां से डॉक्टरों ने हालत गम्भीर देख उसे सिविल अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।पीड़ति ने इसकी शिकायत पुलिस से की है।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने किया नवरात्रि-दशहरा विशेष परिधानों की प्रदर्शनी का उद्घाटन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नवरात्रि और दशहरा के शुभ अवसर पर न्यू क्राफ्ट सिल्क इंडिया द्वारा कैसरबाग स्थित सफेद बारादरी में स्पेशल पार्टी वियर परिधानों की प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर इस नौ दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। यह प्रदर्शनी 25 सितम्बर से 3 अक्टूबर तक चलेगी, जिसमें देशभर से आए बुनकरों और डिजाइनरों की कृतियां प्रदर्शित की गई हैं।शुभारंभ समारोह में आयोजक मानस आचार्य और जावेद मकसूद ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन करते हुए परिधानों और हैंडलूम उत्पादों की विशेषताओं के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर विभिन्न क्षेत्रों में

उल्लेखनीय कार्य कर रही महिलाओं को भी सम्मानित किया गया।मीडिया से बातचीत में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि त्यौहारों के मौके पर महिलाओं के लिए एक ही छत के नीचे विविध परिधानों की उपलब्धता सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी और बुनकरों को बढ़ावा देना हम सबकी जिम्मेदारी है और इस प्रकार के आयोजन बुनकरों को बड़ा मंच प्रदान करते हैं।प्रदर्शनी में 100 प्रतिशत शुद्ध प्राकृतिक रेशों जैसे रेशमी, कपास और लिनन से बने परिधान आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इनमें बनारसी, तस्सर, कांथा, गढ़वाल, चंदेरी, महेश्वरी, कोटा, जयपुर बगरू प्रिंट्स, बेंगलुरु क्रेप सिल्क्स, कलमकारी, कांचीपुरम, पोचमपल्ली इक्कत, वेंकटगिरी, नारायणपेट, उप्पादा जामधानी, पैठानी, कोलकाता बुटीक, चंपा कोसा साड़ियां और विविध कॉटन ड्रेस मटेरियल व लाइफस्टाइल गारमेंट्स शामिल हैं।विभिन्न राज्यों से आए बुनकरों के अनूठे उत्पाद इस प्रदर्शनी में लखनऊवासियों को न सिर्फ किफायती दामों पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, बल्कि परंपरागत भारतीय कला व शिल्प का भी अद्भुत संगम प्रस्तुत कर रहे हैं।

लखनऊ में मुठभेड़ के बाद शातिर लुटेरा गिरफ्तार, अवैध तमंचा, बाइक और नकदी बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी पुलिस ने गुरुवार को एक बड़ी सफलता हासिल की। गुडम्बा थाना क्षेत्र में रजौली गांव के पास हुई मुठभेड़ के बाद पुलिस ने एक शातिर लुटेरे और हत्यारे को घायलावस्था में दबोच लिया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के पास से अवैध तमंचा, जिंदा और खोखा कारतूस, घटना में प्रयुक्त सफेद रंग की अपाचे मोटरसाइकिल, 65,200 रुपये नकद और सोने की टूटी हुई चेन बरामद की गई।मामले की जड़ 20 सितम्बर 2025 की सुबह हुई उस घटना से जुड़ी है, जब चार नंबर चौराहे के पास स्कूटी सवार अतुल जैन को अपाचे बाइक सवार बदमाशों ने टक्कर मार दी थी। हादसे में गंभीर चोट लगने के कारण 42 वर्षीय अतुल जैन की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद वादी आशीष जैन ने थाना गुडम्बा में

मुकदमा अपराध संख्या 391/2025 धारा 281/106(1) बीएनएस दर्ज कराया था।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नरेट ने अपराध शाखा, क्राइम टीम, डीसीपी उत्तरी व पूर्वी, थाना गुडम्बा और जानकीपुरम पुलिस की संयुक्त टीम गठित की। जांच में आधुनिक तकनीकी साधनों का व्यापक उपयोग किया गया। पुलिस ने हजारों मोबाइल नंबरों का विश्लेषण किया, 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और मुखबिर की सूचना को मिलाकर अपराधियों तक पहुंच बनाई।25 सितम्बर को पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी सफेद अपाचे से रजौली गांव के पास आने वाले हैं। घेराबंदी के दौरान जब बाइक को रोका गया तो पीछे बैठा बदमाश अरविंद कुमार पुलिस पर गोली चलाने लगा। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें अरविंद घायल हो गया और मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। बाइक चला रहा उसका साथी मौके से फरार हो गया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान अरविंद कुमार पुत्र मैकू लाल, उम्र करीब 27 वर्ष, निवासी ग्राम पहाड़ापुर, थाना महमूदाबाद, जिला सीतापुर के रूप में हुई। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि उसने अपने साथी संजय यादव के साथ मिलकर अतुल जैन की चेन छीनी थी। पकड़े जाने के डर से दोनों ने जानबूझकर स्कूटी को टक्कर मारी, जिससे उसकी मौत हो गई। बरामद नकदी चोरी की चेन बेचने से मिली रकम का हिस्सा बताई गई, जबकि टूटी हुई चेन का टुकड़ा पहले की वारदात से जुड़ा हुआ है।पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार अरविंद कुमार पर पहले से कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें चोरी, धोखाधड़ी और हत्या शामिल हैं। थाने बीकेटी और गुडम्बा में उसके खिलाफ कई मामलों में एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं। मुठभेड़ के बाद गुडम्बा थाने में नया मुकदमा अपराध संख्या 399/2025 धारा 109(1)/3(5) बीएनएस और शस्त्र अधिनियम के तहत पंजीकृत किया गया है।इस गिरफ्तारी में अपराध शाखा लखनऊ, डीसीपी ईस्ट व नॉर्थ की टीमें, थाना गुडम्बा और थाना जानकीपुरम की पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की और आरोपी को पकड़ने में सफलता पाई। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपी की तलाश जारी है और उसे भी शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर डीआरडीआई, लखनऊ में संगोष्ठी और माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ में संस्थान के महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू के संरक्षण और प्रवर अपर निदेशक सुबोध दीक्षित के मार्गदर्शन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर संस्थान प्रांगण में स्थापित उनकी विशालकाय प्रतिमा पर अधिकारियों, कार्मिकों, प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रतिभागियों और विशिष्ट अतिथि वक्ताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम के क्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशानुसार संस्थान के बुद्धा सभागार में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन दर्शन, राष्ट्र प्रेम और उनका अप्रतिम एकात्म मानववाद रहा। इस अवसर पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जुड़े प्रतिभागियों, विषय विशेषज्ञों और अतिथि वक्ताओं ने अपने विचार रखे।अतिथि वक्ताओं में इस्कॉन संगठन के आध्यात्मिक गुरु दिव्य मिताई दास और भारत चरित्र निर्माण संस्थान, नई दिल्ली के संस्थापक अध्यक्ष रामकृष्ण गोस्वामी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के वैचारिक दर्शन और मिशन कर्मयोगी पर विस्तृत व्याख्यान दिए। उन्होंने बताया कि उपाध्याय जी के विचार केवल राजनीति तक सीमित नहीं थे, बल्कि मानवता के कल्याण और सामाजिक समरसता को मजबूत करने वाले थे।प्रवर अपर निदेशक सुबोध दीक्षित ने अपने संबोधन में कहा कि पंडित उपाध्याय का एकात्म मानववाद केवल आर्थिक या राजनीतिक विचार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों का प्रतिबिंब है।

ऐशबाग जोन -2 में सफाई कर्मियों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित

» शिविर में 210 सफाई कर्मियों का परीक्षण, 80 जरूरतमंदों को मिला चश्मा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम के ऐशबाग जोन -2 में बृहस्पतिवार को स्वच्छता कर्मियों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और एचसीएल फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित शिविर में 210 सफाई कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें उच्च रक्तचाप, मधुमेह, आँखों की जाँच आदि शामिल रहीं। जांच के बाद 80 सफाई कर्मियों को चश्मे भी प्रदान किए गए। लक्षणों के आधार पर टीबी के लिए बलगम की जाँच और छाती

का एक्स-रे भी किया गया। त्वचा एवं अन्य रोगों के लक्षणों के आधार पर दवाएं भी प्रदान की गयीं।

स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन जोनल अधिकारी, जोन-2 शिल्पा कुमारी और अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.एन. यादव ने किया। इस मौके पर शिल्पा कुमारी ने जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की शीघ्र जाँच और उपचार की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि सफाई कर्मचारी स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकें। उन्होंने सफाई कर्मचारियों की तुलना उन सैनिकों से की जो अपने काम से नागरिकों को सुरक्षित कर रहे हैं और शहर में स्वच्छता बनाए रखे हुए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य जाँच, नेत्र जाँच, दंत जाँच और अन्य बीमारियों के लिए विभिन्न हितधारकों को संगठित कर स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने में पीएसआई इंडिया की टीम के प्रयासों की सराहना की। डॉ. बी.एन. यादव ने भी शहर की स्वच्छता बनाए रखने में सफाई कर्मचारियों की भूमिका को सराहा। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों का स्वस्थ रहना बहुत ज़रूरी है, स्वास्थ्य विभाग उनके लिए स्वास्थ्य

शिविर आयोजित करने में हरसंभव सहायता देने को तैयार है। इस मौके पर कुंवर ज्योति प्रसाद वार्ड के पार्षद शिवपाल सावरिया, एचसीएल फाउंडेशन से इलाफ फातिमा और पीएसआई इंडिया से दिनेश कुमार पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

ज्ञात हो कि पीएसआई इंडिया और एचसीएल फाउंडेशन नगर निगम के सहयोग से लखनऊ के 26 वार्डों में 'स्वच्छ उदय' कार्यक्रम चला रहे हैं। इसके तहत मोहल्लों में साफ-सफाई, पानी का सही रखरखाव और कूड़ा पृथक्करण पर समुदाय में लोगो को जागरूक किया जा रहा है, ताकि लोग बीमारियों से सुरक्षित रहें। इसके लिए मोहल्ला स्वच्छता समितियों का गठन किया गया है। समुदायों में महिला आरोग्य समितियों को सक्रिय किया गया है। पीएसआई इंडिया समुदाय में वाश से संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर एवं सेवाओं में सुधार के लिए लखनऊ नगर निगम द्वारा संचालित लखनऊ-वन ऐप और टोल फ्री नंबर 1533 को भी प्रमोट कर रही है।

महिगवां पुलिस ने चोरी और अवैध तमंचे के साथ आरोपी को दबोचा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के उत्तरी जोन के थाना महिगवां क्षेत्र में पुलिस ने चोरी की वारदात में शामिल एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस और चोरी के रुपये बरामद हुए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में खौफ है।गौरतलब है कि 19 और 20 सितंबर की दरम्यानी रात ग्राम गौरवामऊ निवासी मुकेश कुमार मिश्रा के घर में चोरी की वारदात हुई थी। अज्ञात चोरों ने घर से सोने-चांदी के आभूषण पार कर दिए थे। इस मामले में थाना महिगवां में मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना उपनिरीक्षक नीलेन्द्र प्रताप को सौंपी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस लगातार सुराग तलाश रही थी।24 सितंबर को पुलिस टीम दरियापुर चौराहे पर थी, तभी मुखबिर ने सूचना दी कि चोरी की घटना से

जुड़ा आरोपी नाजायज तमंचा लेकर इन्दारा से दरौना रोड पर मौजूद है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक रामकुमार गुप्ता के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को दबोच लिया। पकड़े गए युवक ने अपना नाम वसीम पुत्र शहजाद, निवासी ग्राम दरौना, थाना महिगवां, उम्र करीब 23 वर्ष बताया।तलाशी में वसीम की जेब से 2210 रुपये नगद और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए, जबकि कमर में छिपा एक 12 बोर का अवैध तमंचा भी मिला। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि कुछ दिन पहले उसने गौरवामऊ में एक घर से जेवर चोरी किए थे और उन्हें राह चलते एक अज्ञात व्यक्ति को बेच दिया था। उसी चोरी के पैसों में से खर्च करने के बाद 2210 रुपये उसके पास बचे थे।

अवैध तमंचा रखने के बारे में पूछे जाने पर वसीम कोई लाइसेंस नहीं दिखा सका और न ही हथियार बेचने वाले का नाम-पता बता सका। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। गौरतलब है कि वसीम पर पहले भी आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसके खिलाफ इटौंजा थाना क्षेत्र में चोरी का मामला दर्ज है, जबकि महिगवां में ही हाल ही में दर्ज हुए मुकदमे में भी वह नामजद है।पुलिस की गिरफ्त में आया वसीम मजदूरी का काम करता है, लेकिन चोरी और आपराधिक गतिविधियों में उसकी संलिप्तता लगातार सामने आ रही है।

अमेरिकी आत्मघाती वीजा बंदिशें, भारत के नये अवसर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के पेशेवरों, खासकर भारतीयों के सपनों पर एक नई काली छाया डाल दी है, उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है एवं एक बड़ा संकट खड़ा दिया है। 21 सितंबर की रात 12 बजे के बाद अमेरिका में प्रवेश करने वालों को एच1बी वीज़ा प्राप्त करने के लिए लगभग एक लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये सालाना शुल्क देना होगा। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा, प्रतिभा-प्रवास और अमेरिका-भारत संबंधों पर गहरा प्रभाव डालने वाला कदम है। अमेरिका के इस कदम के बाद भारत को अपनी आत्म-निर्भरता, स्वदेशी भावना एवं देश की प्रतिभाओं का देश में ही उपयोग को बल देना होगा। भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के साथ अवसरों की भूमि बन रहा है। इसलिये अमेरिका के निर्णय से ज्यादा परेशान होने की बजाय इसको सकारात्मक दृष्टि से लेने की जरूरत है।

निश्चित ही अमेरिका दशकों से अवसरों की भूमि माना जाता रहा है। यहां आने का सपना रखने वालों के लिए एच1बी वीज़ा एक सुनहरा टिकट एवं उन्नत जीवन का आधार रहा है। हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ इस वीज़ा के माध्यम से अमेरिका जाकर अपने सपनों को साकार करते रहे हैं। सिलिकॉन वैली की चमक और वहां भारतीय प्रतिभाओं का वर्चस्व इसका जीता-जागता प्रमाण है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम और फेसबुक जैसी दिग्गज कंपनियों में उच्च तकनीकी पदों पर भारतीय मूल के लोगों की उपस्थिति सर्वाधिक है। भारतीय आईटी पेशेवरों के बिना अमेरिकी तकनीकी जगत की कल्पना करना कठिन है। एच-1 बी वीजा की फीस में अप्रत्याशित वृद्धि का फैसला भारतीय आईटी कंपनियों के साथ अमेरिकी हितों को भी चोट पहुंचाने वाला है। इनमें आइटी सेक्टर से इतर क्षेत्र की कंपनियां भी हैं। इसका प्रमाण यह है कि उनके फैसले की आलोचना अनेक अमेरिकी ही कर रहे हैं। यदि ट्रंप यह सोच रहे हैं कि एच-1बी वीजा धारकों की फीस एक हजार डालर से एक लाख डालर सालाना करने से भारतीय और अमेरिकी कंपनियां अमेरिका के युवाओं को नौकरी देने के लिए बाध्य हो जाएंगी तो यह उनकी भूल है, क्योंकि इन कंपनियों को जैसे और जितने सक्षम युवा पेशेवर चाहिए, वे अमेरिका में हैं ही नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति यह भी भूल रहे हैं कि अमेरिका के आर्थिक विकास में अप्रवासियों विशेषतः भारतीय प्रतिभाओं का सर्वाधिक योगदान है और यह केवल पेशेवर लोगों का ही नहीं, बल्कि कामगारों का भी है।

भले ही ट्रंप प्रशासन का यह आदेश उनकी "अमेरिका फर्स्ट" नीति की अगली कड़ी है। उनका तर्क है कि विदेशी पेशेवर सस्ते श्रम के रूप में अमेरिकी नागरिकों की नौकरियां छीन रहे हैं। शुल्क इतना अधिक करके वे चाहते हैं कि केवल वही विदेशी पेशेवर अमेरिका आएं, जो न केवल उच्च योग्यता रखते हों बल्कि भारी शुल्क अदा करने की क्षमता भी रखते हों। लेकिन यह कदम अमेरिका के लिये ही आर्थिक दृष्टि से आत्मघाती साबित हो सकता है, क्योंकि अमेरिकी कंपनियों को उच्च कौशल वाले पेशेवरों की भारी ज़रूरत है और भारतीय आईटी पेशेवरों की कमी वहां सीधे तौर पर नवाचार और प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगी। ट्रंप के फैसले को आपदा नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देखना चाहिए। पहले भारतीय प्रतिभा अमेरिका की ओर बहती थी, अब यह प्रवाह कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर की ओर मुड़ सकता है। छात्र और युवा पेशेवर पहले से ही अमेरिकी वीज़ा नीतियों को लेकर असमंजस में रहते थे। अब यह आदेश उनके आत्मविश्वास और योजनाओं को और झकझोर देगा। हालांकि एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि कई युवा भारत में ही स्टार्टअप्स, शोध और नई तकनीक के क्षेत्रों में काम करने की ओर आकर्षित होंगे। भारत पर इस नीति का असर केवल युवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक असर डाल सकता है। भारतीय आईटी कंपनियां जैसे इन्फोसिस, टीसीएस, विप्रो आदि अमेरिका में बड़े पैमाने पर कार्यरत हैं। एच1बी वीज़ा पर निर्भरता ज्यादा होने के कारण उनका खर्च बढ़ेगा और प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी। भारतीय पेशेवर हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं, वीज़ा बाधाओं से यह प्रवाह घटेगा। हजारों भारतीय छात्र अमेरिका में उच्च शिक्षा लेकर वहीं काम करने का सपना देखते हैं। अब शुल्क की बाधा उनके लिए अमेरिका को कम आकर्षक बनाएगी। साथ ही भारत में ही वैश्विक स्तर के शोध और नवाचार केंद्र विकसित करने की संभावना भी बढ़ेगी। अमेरिका और भारत के संबंध बीते दो दशकों में आर्थिक, रणनीतिक और तकनीकी सहयोग की नई ऊँचाइयों पर पहुंचे हैं। अमेरिका ने भारत को रणनीतिक साझेदार माना है। रक्षा, व्यापार और तकनीक में गहरे संबंध बने हैं और भारतीय प्रवासी अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन ट्रंप के निर्णय से यह संदेश गया है कि अमेरिका भारत को साझेदार तो मानता है, लेकिन जब घरेलू राजनीति का दबाव आता है तो साझेदारी पीछे छूट जाती है।

भ्रांतियां मिटाएं, यौन व प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता लाएं

विश्व गर्भनिरोधक दिवस (26 सितम्बर) पर विशेष

मुकेश कुमार शर्मा

मनचाहे गर्भ निरोधक साधनों की मौजूदगी के बाद भी अनचाहा गर्भधारण करना जोखिम भरा

यौन और प्रजनन स्वास्थ्य को लेकर आज भी समाज के कुछ वर्गों में तरह-तरह की भ्रांतियां व्याप्त हैं। यह भ्रांतियां खासकर किशोरों और युवाओं में ज्यादा देखने को मिलती हैं। इन्हीं भ्रांतियों को जड़ से मिटाने और समुदाय में यौन और प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता लाने के लिए ही हर साल 26 सितम्बर को विश्व गर्भ निरोधक दिवस मनाया जाता है। अनचाहे गर्भ धारण से बचने और महिलाओं को असुरक्षित गर्भपात जैसे जोखिम से सुरक्षित बनाने के लिए ही सरकार द्वारा कई तरह के गर्भ निरोधक साधन मुहैया कराये गए हैं। इन साधनों के फायदे को जन-जन तक पहुंचाने से ही बड़ी तादाद में लोग अब इसे अपनाने को खुद से आगे आ रहे हैं। इसका परिणाम शत-प्रतिशत मिले, इसके लिए अभी हर स्तर पर एक और गंभीर प्रयास की जरूरत है। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए भी यह जरूरी है।

नव दम्पति को इन गर्भ निरोधक साधनों से जोड़ने के लिए ही फ्रंटलाइन वर्कर की एक बड़ी फ़ौज ग्राम स्तर पर मौजूद है। यह फ्रंट लाइन वर्कर यानि आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम और महिला आरोग्य समितियों की सदस्य गर्भ निरोधक साधनों के बारे में परामर्श देने से लेकर उनको आसानी से सेवा सुलभ कराने का भी मार्ग प्रशस्त करती हैं। उनका उद्देश्य रहता है कि नव दम्पति को इस योग्य बनाया जाए कि वह खुद से निर्णय ले सकें कि उन्हें कब और कितने बच्चे चाहिए और उसके लिए उन्हें किन मनचाहे गर्भ निरोधक साधनों का उपयोग करना बेहतर रहेगा। यह समझ विकसित होने से ऐसे दम्पति के लिए शिक्षा के साथ ही सामाजिक और आर्थिक आजादी के द्वार भी अपने आप खुल जाते हैं।

नव दम्पति के साथ-साथ सभी दम्पति को सरकार बास्केट ऑफ़ च्वाइस की एक ऐसी अनमोल सुविधा मुहैया कराती है, जिसमें से अपना मनपसन्द गर्भ निरोधक साधन अपनाकर शादी के बाद कम से कम दो साल बाद ही वह बच्चे की योजना आसानी से बना सकते हैं। शादी के पहले दो साल एक-दूसरे को समझने और भविष्य के लिए कुछ जमा पूँजी जुटाने का समय होता है, उसके बाद ही आपस में बात कर बच्चे का प्लान बनाना चाहिए। इसके अलावा बास्केट ऑफ़ च्वाइस में दो बच्चों के जन्म में भी पर्याप्त अंतर रखने के सुरक्षित और आसान साधन उपलब्ध हैं। दो बच्चों के जन्म में कम से कम तीन साल का अंतर रखना बहुत जरूरी होता है ताकि पहले बच्चे की सही देखभाल और पोषण का ख्याल रखा जा सके। महिला का शरीर भी बच्चे के जन्म के तीन साल बाद ही दूसरे गर्भ धारण के योग्य बन पाता है। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को भी नियंत्रित करने के लिए यह बहुत जरूरी है। परिवार नियोजन के स्थायी साधन के रूप में जहाँ पुरुष व महिला नसबंदी की सेवा प्रदान की जाती है वहीँ अस्थायी साधन के रूप में ओरल पिल्स, कंडोम, आईयूसीडी प्रसव पश्चात व गर्भ समापन पश्चात आईयूसीडी, त्रैमासिक गर्भनिरोधक इंजेक्शन अंतरा और हार्मोनल गोली छाया (सैंटोक्रोमान) की सुविधा उपलब्ध है।

बास्केट ऑफ़ च्वाइस में मौजूद गर्भ निरोधक साधनों के प्रति समुदाय में जन जागरूकता के लिए ही छाया ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस का आयोजन कर नवीन गर्भ निरोधक छाया और त्रैमासिक गर्भ निरोधक इंजेक्शन अंतरा सहित अन्य सभी परिवार नियोजन साधनों के बारे में विस्तार से बताया जाता है। खुशहाल परिवार दिवस और अंतराल दिवस के जरिए भी जागरूकता की अलख जगाई जाती है। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत भी जांच के लिए आने वाली गर्भवती व उनके साथ आने वाली महिलाओं को भी परिवार नियोजन साधनों के बारे में विशेष रूप से जानकारी दी जाती है। स्वास्थ्य मेलों में भी बास्केट ऑफ़ च्वाइस का विकल्प देकर छोटे परिवार के बड़े फायदे समझाए जाते हैं। सास बेटा बहू सम्मेलन और मिस्टर स्मार्ट जैसे सम्मेलन के जरिये भी परिवार नियोजन के फायदे बताए जाते हैं। परिवार नियोजन किट के साथ कंडोम बॉक्स की व्यवस्था भी की गयी है।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

अजब-गजब

'दो बार मरकर जिंदा हुई' महिला का अजीबोगरीब दावा, बताई ऐसी बात, जानकर चौंक गए लोग

भला मरने के बाद कौन जिंदा होता है। ऐसा तो सिर्फ फिल्मों में ही होता है। कहीं आप भी तो ऐसा नहीं सोच रहे? अगर आपको यकीन नहीं है कि मरने के बाद कोई इंसान जिंदा हो सकता है, तो ये खबर आपके लिए ही है। समय-समय पर ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहते हैं जब लोग अजीबोगरीब दावा करते हैं कि वो मरने के बाद दोबारा जिंदा हुए, साथ ही वो यमदूत या खुद भगवान को ही देखने का भी दावा करते हैं। ऐसा ही दावा करने वाली एक महिला इन दिनों काफी चर्चा में है। पैगी रॉबिन्सन नाम की इस महिला ने दावा किया है कि वो दो बार मर चुकी है, लेकिन उसने अपने बच्चों के लिए भगवान से प्रार्थना की, जिसके बाद उसे दोबारा जीवन मिल गया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 64 वर्षीय पैगी रॉबिन्सन का दावा है कि पहली बार उसकी मौत तब हुई थी जब वो महज 5 साल की थी, लेकिन उसके बाद वो फिर से जिंदा हो गई थी। फिर उसने मौत के बाद जिंदा होने का अपना दूसरा अनुभव जो लोगों को बताया, वो काफी चौंकाने वाला था। महिला ने बताया कि जब वह 25 साल की थी तब एक जटिल गर्भावस्था के दौरान उसे ऐसा लगा जैसे उसकी आत्मा उसके शरीर से निकलकर अंतरिक्ष में उड़ गई। उसने दावा किया कि आत्मा आकाशगंगाओं से होते हुए एक चमकदार सफेद कमरे में पहुंची, जहां वो सीधे भगवान के सामने खड़ी थी।

पैगी रॉबिन्सन का दावा है कि भगवान ने उनसे कहा कि अब जाने का समय हो गया है, लेकिन पैगी ने जाने से इनकार कर दिया और इस बात पर जोर दिया कि वो अपने बच्चों को बिना मां के नहीं छोड़ सकती। वह कहती है कि उसने भगवान से कहा 'मैं नहीं जाऊंगी। आप मुझे नहीं ले जा सकते, मुझे अपने बच्चों की परवरिश करनी है'।

महिला के अनुसार, भगवान ने बाद में उसे उसके बच्चों का भविष्य दिखाया, जिसमें एक दर्दनाक क्षण भी शामिल था, जिससे उनका दिल टूट गया। पैगी कहती है कि वो भगवान के चरणों में गिर पड़ी और खूब रोईं और अपने बेटों के लिए उनके साथ रहने का फैसला किया। वह आगे कहती हैं कि उसके बाद उनकी आत्मा तुरंत ही उनके शरीर में वापस आ गई और वो अस्पताल के बेड पर जाग उठीं। उस समय पैगी जुड़वां बच्चों की मां बनीं थीं, लेकिन उनका खून काफी बह गया था और उनके बचने के चांसेज बहुत कम थे। डॉक्टरों ने तो उनके बचने की उम्मीद ही छोड़ दी थी और उनके परिवार को अलविदा कहने के लिए बुला लिया था। हालांकि भगवान का चमत्कार हुआ और उसने अपने दोनों बच्चों को खो दिया, लेकिन वो खुद बच गई। पैगी कहती हैं कि ईश्वर लोगों को स्मृतियां इसलिए देता है ताकि वो उनसे सीख सकें और ये भी सिखाता है कि कोई भी व्यक्ति कभी भी वास्तव में अकेला नहीं होता है।

ब्लॉग

नरेन्द्र मोदी: राजनीतिक अभिजात वर्ग को चुनौती देने वाले जननायक

शिवराज सिंह चौहान

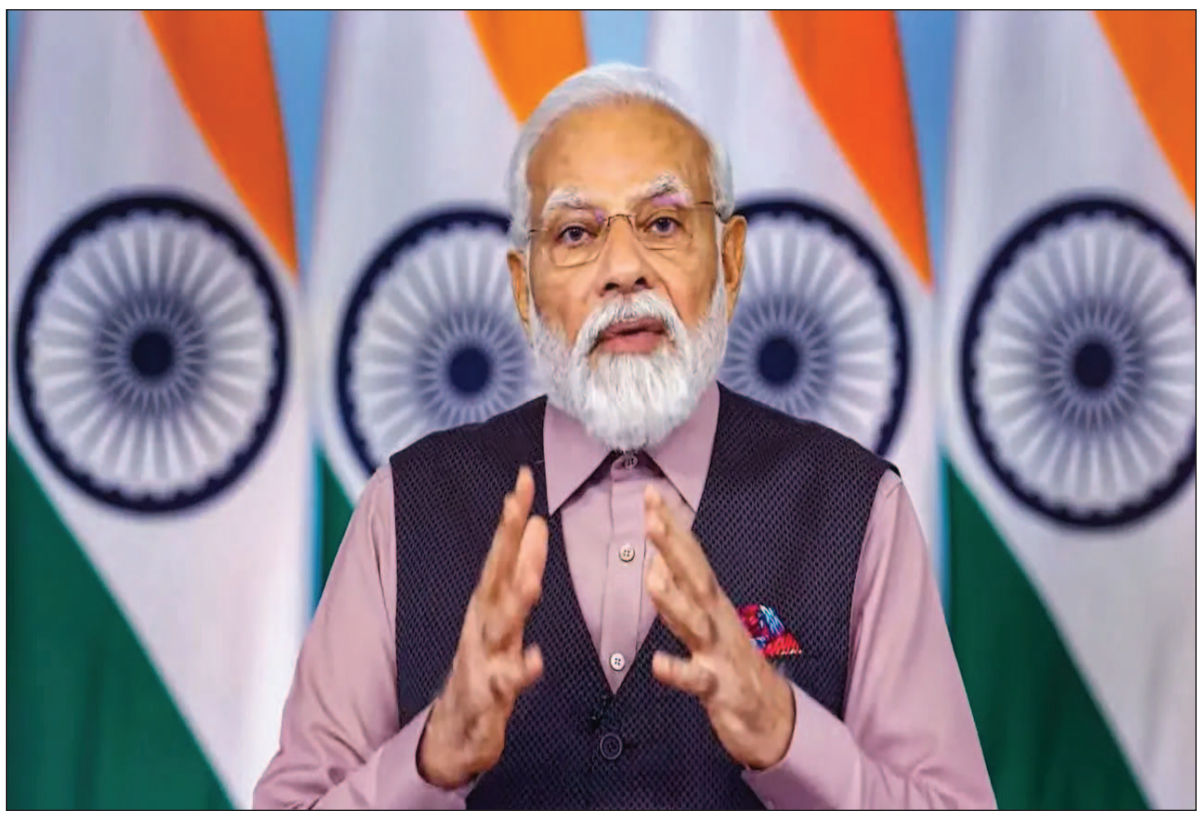

भारतीय राजनीति में नरेन्द्र मोदी के उदय को विशेषाधिकार के पारंपरिक लेंस से नहीं समझा जा सकता। राजनीतिक वंशों में पले-बढ़े अनेक नेताओं के विपरीत, मोदी और उनकी नेतृत्व शैली ज़मीन से उभरी है, जिसने उनके संघर्ष, वर्षों से ज़मीनी स्तर पर किए गए कार्यों और सरकार के विभिन्न स्तरों पर प्राप्त व्यवहारिक अनुभवों से आकार लिया है। उनका करियर मात्र एक व्यक्ति के उत्थान को ही प्रदर्शित नहीं करता, बल्कि यह भारत में अभिजात वर्ग द्वारा संचालित राजनीति की नींव के लिए एक चुनौती भी है।

वडनगर के एक साधारण परिवार में जन्मे मोदी का बचपन ज़िम्मेदारी और सादगी से भरपूर रहा। बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए चैरिटी स्टॉल लगाने से लेकर स्कूली छात्र के रूप में जातिगत भेदभाव पर आधारित नाटक लिखने तक, उन्होंने अल्पायु में ही संगठनात्मक कौशल और सामाजिक सरोकार का अद्भुत मिश्रण प्रदर्शित किया। उन्होंने वंचित सहपाठियों के लिए पुरानी किताबें और वर्दियाँ इक_ा करने के अभियान भी चलाए, जो इस बात का प्रारंभिक संकेत था कि वह नेतृत्व को किसी विशेषाधिकार के रूप में नहीं, बल्कि सेवा के रूप में देखते हैं। इन छोटे-छोटे प्रयासों ने उनके द्वारा सार्वजनिक जीवन में अपनाए जाने वाले दृष्टिकोण का पूर्वाभास करा दिया।

उनकी मूलभूत प्रवृत्तियाँ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में और भी प्रखर हुईं, जहाँ साधारण कार्यकर्ताओं को ग्रामीणों से घुलने-मिलने, उनके जैसा जीवन व्यतीत करने और अपने आचरण के जरिए उनका विश्वास अर्जित करने का प्रशिक्षण दिया जाता था। एक युवा प्रचारक के तौर पर मोदी ने बिल्कुल वैसा ही किया। अक्सर बस या स्कूटर से गुजरात भर में यात्रा करते हुए, और भोजन व आश्रय के लिए ग्रामीणों पर निर्भर रहते हुए, उन्होंने साझा कठिनाइयों और संघर्षों के माध्यम से सभी वर्गों का विश्वास अर्जित किया। इस अनुशासन ने उन्हें उन लोगों के रोज़मर्रा के सरोकारों से जुड़े रहने में मदद की, जिनकी वे सेवा करना चाहते थे, और इसी ने उन्हें संकटकाल में संगठित, बड़े पैमाने पर कदम उठाने की आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने के लिए भी तैयार किया।

ऐसा ही एक संकट 1979 में मच्छू बांध के टूटने से आया था, जिसमें हज़ारों लोग मारे गए थे। 29 वर्षीय मोदी ने तुरंत स्वयंसेवकों को पालियों में संगठित किया, राहत सामग्री का प्रबंध किया, शवों को निकाला और परिवारों को सांत्वना दी। कुछ साल बाद, गुजरात में सूखे के दौरान, उन्होंने सुखड़ी अभियान का नेतृत्व किया, जो पूरे राज्य में फैल गया और लगभग 25 करोड़ रुपये मूल्य का भोजन वितरित किया गया। दोनों ही आपदाओं में, उन्होंने बिल्कुल आरंभ से ही बड़े पैमाने पर राहत प्रयास शुरू किए, जिससे उनके उद्देश्य की स्पष्टता, उनके सैन्य-शैली के संगठन और उनका इस आग्रह का परिचय मिला कि नेतृत्व का अर्थ केवल प्रतीकात्मकता नहीं, बल्कि सेवा है।

इन शुरुआती घटनाओं ने जहाँ एक ओर लोगों को संगठित करने की उनकी क्षमता को परखा, वहीं आपातकाल ने दमन के दौर में उनके साहस की परीक्षा ली। मात्र 25 वर्ष की आयु में, एक सिख के वेश में, उन्होंने पुलिस निगरानी से बचने की कोशिश कर रहे कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच संवाद कायम रखा। इस ज़मीनी नेटवर्क ने क्रूर शासन के विरुद्ध प्रतिरोध को जीवित रखा, जिससे उन्हें एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में ख्याति मिली।

इन्हीं कौशलों का उपयोग जल्द ही चुनावी राजनीति में भी किया गया। भाजपा - गुजरात के संगठन मंत्री के रूप में, उन्होंने पार्टी का विस्तार नए समुदायों तक किया, जिनमें राजनीतिक विमर्श में हाशिए पर पड़े लोग भी शामिल थे। उन्होंने विविध पृष्ठभूमियों के नेताओं को तैयार किया, ज़मीनी स्तर पर समर्थन जुटाया और पूरे गुजरात में लालकृष्ण आडवाणी की सोमनाथ-अयोध्या रथ यात्रा जैसे बड़े आयोजनों की योजना बनाने में मदद की। बाद में, विभिन्न राज्यों के प्रभारी के रूप में उन्होंने बूथ स्तर तक मज़बूत पार्टी तंत्रों का निर्माण किया।

साल 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के पद पर आसीन होने पर उन्होंने ये सबक शासन में लागू किए। उदाहरण के लिए, पदभार ग्रहण करने के चंद घंटे बाद ही उन्होंने साबरमती में नर्मदा का जल लाने के विषय में एक बैठक बुलाकर इस बात का संकेत दिया कि निर्णायक कार्रवाई उनके प्रशासन को परिभाषित करेगी। उनका दृष्टिकोण शासन को एक जन आंदोलन बनाना था, जहाँ प्रवेशोत्सव ने स्कूलों में नामांकन को प्रोत्साहित किया, कन्या केलवणी ने बालिकाओं की शिक्षा का समर्थन किया, गरीब कल्याण मेलों ने कल्याण को नागरिकों तक पहुँचाया, और कृषि रथ ने कृषि सहायता को किसानों के खेतों तक पहुँचाया। नौकरशाहों को दफ्तरों से निकालकर कस्बों और गाँवों तक भेजा गया। उनका मानना है कि शासन लोगों तक वहाँ पहुँचे जहाँ वे रहते हैं, न कि केवल मीटिंग कक्षों तक सीमित रहे।

उनके प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद गुजरात में किए गए प्रयोग राष्ट्रीय आदर्श बन गए। स्वच्छता अभियानों के उनके अनुभव ने स्वच्छ भारत मिशन का रूप लिया, जहाँ उन्होंने प्रतीकात्मकता को सामूहिक कार्रवाई में बदलने के लिए स्वयं झाड़ू उठाई। डिजिटल इंडिया, जन-धन योजना और अन्य पहल शीर्ष से शुरू किए गए कार्यक्रम नहीं थे, बल्कि जमीनी स्तर पर बिताए उनके वर्षों से प्राप्त सीखों पर आधारित जन-आंदोलन थे। इन्होंने जन-भागीदारी के उनके दर्शन को मूर्त रूप दिया, जहाँ शासन तभी कारगर होता है, जब नागरिक निष्क्रिय प्राप्तकर्ता न बने रहकर, स्वयं भागीदार बनें। मोदी जैसे नेता और जनता के बीच दशकों से विकसित इसी विश्वास ने आज के भारत में नीति को साझेदारी में बदल दिया है।

दशकों से, मोदी बैठकों में होने वाली बहसों से नहीं, बल्कि ज़मीनी स्तर पर जीवंत संपर्क की बदौलत लोगों की ज़रूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने के तरीकों को जानने की दुर्लभ सहज प्रवृत्ति प्रदर्शित करते आए हैं। यह प्रवृत्ति कठोर प्रशासनिक अनुभव के साथ मिलकर उनकी राजनीति को परिभाषित करती है।

मूलभूत रूप से, उनके जीवन और नेतृत्व ने भारतीय राजनीति के केवल अभिजात वर्ग से संबद्ध होने की धारणा को नए सिरे से परिभाषित किया है। वह योग्यता और परिश्रम का प्रतीक बन चुके हैं तथा वह शासन को जनसाधारण के और करीब ले आए हैं। उनकी राजनीतिक शक्ति सत्ता को जनता से जोड़ने में निहित है। ऐसा करके, उन्होंने भारतीय राजनीति को एक नया रूप दिया है, जो आम नागरिक के संघर्षों और भावनाओं पर आधारित है।

स्कूल ग्राउंड में रामलीला पर रोक हटी, सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को पलटा

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी के रामलीला मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला पलट दिया है। कोर्ट ने फिरोजाबाद में रामलीला जारी रखने का आदेश दिया है। इस रामलीला का आयोजन फिरोजाबाद के टूंडला में एक स्कूल के ग्राउंड में हो रहा था, जिस पर आपत्ति जताई गई थी। मामला पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट और बाद में सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। हाईकोर्ट ने स्कूल ग्राउंड में गरबा आयोजन पर रोक लगा दी थी। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को पलट दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए कहा कि समारोह शुरू हो चुका है, इसलिए यह इस शर्त के साथ जारी रहेगा कि छात्रों को कोई असुविधा न हो। इसके साथ ही कोर्ट ने सवाल किया कि यह आयोजन पिछले 100 सालों से होते आ रहा है। आपने आखिरी समय में कोर्ट का रुख क्यों किया?

सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटते हुए यूपी सरकार, जिला प्रशासन, हाई कोर्ट में याचिकाकर्ता को नोटिस जारी किया है। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस एनके सिंह की बेंच ने नोटिस जारी किया है।

कोर्ट में दिया गया ये तर्क

हाईकोर्ट में रिट याचिका में आरोप लगाया गया था कि जिला परिषद विद्यालय, टूंडला-फ़िरोज़ाबाद के खेल के मैदान का उपयोग शाम 7 से 10 बजे के बीच रामलीला के लिए किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप छात्र उस मैदान में नहीं खेल पा रहे हैं, जो मुख्यतः उनके मनोरंजन के लिए है। हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता का अपना तर्क है कि वहां पिछले 100 वर्षों से भी अधिक समय से रामलीला की जा रही है। हालांकि उन्होंने उत्सव शुरू होने से पहले ही हाईकोर्ट का रुख किया। हाईकोर्ट ने जिला प्रशासन का पक्ष सुनने के बाद आदेश में निहित अंतरिम निर्देश पारित किए हैं। मामला 04. 11. 2025 को सूचीबद्ध है। याचिकाकर्ता की शिकायत यह है कि उसे प्रतिवादी पक्ष के रूप में पक्षकार नहीं बनाया गया और उसकी बिना जाने पीछे से आदेश प्राप्त कर लिया गया।

हाईकोर्ट के फैसले के बाद गुस्से में थे लोग

हाईकोर्ट के आदेश के बाद सोमवार को रामलीला का मंचन रुकवा दिया गया था। इससे यहां लोगों में भारी तनाव फैल गया था। इस मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यूपी के टूंडला में 100 साल पुरानी रामलीला समारोह पर रोक लगाने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दिया है। इसके साथ ही प्रशासन को आदेश दिया है कि इस तरह के मामलों में दूसरे विकल्प जरूर खोजे जाएं।

पं. राजेंद्र प्रसाद स्मारक कालेज में समारोह के साथ मनाया विश्व फार्मेसी दिवस

आर्यावर्त संवाददाता

पूरनपुर, पीलीभीत। तहसील क्षेत्र में स्थित पं. राजेंद्र प्रसाद स्मारक कालेज ऑफ फार्मेसी में विश्व फार्मेसी दिवस बड़े ही धूम धाम से मनाया गया। वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे जनपद पीलीभीत के सीएमओ आलोक शर्मा ने कालेज में भ्रमण कर कालेज में भर्ती मरीजों से भेंटवार्ता कर उनका हालचाल जाना। लगातार अपने उत्कृष्ट कार्यों व सस्ते इलाज के लिए जनपद पीलीभीत, बरेली, लखीमपुर, शहजहांपुर व अन्य जनपदों से बेहतर सेवाएं प्रदान कर जान पहचान बनाकर अहम स्थान रखने वाले फार्मेसी कालेज का सीएमओ आलोक शर्मा ने जमकर तारीफ की। वहीं उन्होंने कार्यक्रम से पूर्व कालेज के फार्मेसी के विद्यार्थियों से भेंट वार्ता की और फार्मेसी का मेडिकल क्षेत्र में महत्वता पर प्रकाश डाला। बृहस्पतिवार को पं. राजेंद्र प्रसाद स्मारक कालेज ऑफ फार्मेसी कजरी निरंजनपुर में विश्व फार्मेसी दिवस कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। जहां आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में जनपद पीलीभीत के सीएमओ आलोक शर्मा पहुंचे। उन्होंने कालेज में चल रहे मेडिकेयर हास्पिटल में चल रहे मरीजों का हालचाल जाना और उनसे भेंटवार्ता कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लेकर सही व सस्ते इलाज को लेकर जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि पं. राजेंद्र प्रसाद स्मारक कालेज ऑफ फार्मेसी में संचालित मेडीकेयर हास्पिटल गरीब व असहाय लोगों के लिए एक बेहतर विकल्प है जो कि बड़े बड़े शहरों में संचालित अन्य अस्पतालों की अपेक्षा सस्ता व सही इलाज देकर क्षेत्र ही नहीं जनपद तक के अन्य अस्पतालों से बेहतर सेवाएं प्रदान कर नाम रोशन कर रहा है। जहां पीलीभीत, बरेली, शहजहांपुर, लखीमपुर, लखनऊ में जो सेवाएं मिलती हैं। वहीं अब सस्ती और कम खर्चे में बेहतर सेवाएं कजरी निरंजनपुर में स्थित पं. राजेंद्र प्रसाद स्मारक कालेज ऑफ फार्मेसी में संचालित मेडीकेयर हास्पिटल देने का काम कर रहा है। वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीएमओ आलोक शर्मा का कालेज के प्रबंधक अमित मिश्रा ने उनका दोशाला ओढ़ाकर जोरदार स्वागत किया। साथ ही सीएमओं आलोक शर्मा को श्री राम की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। तो वहीं बच्चों ने फार्मेसी दिवस पर तरह तरह के कार्यक्रम आयोजित कर सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में सीएमओ आलोक शर्मा ने फार्मेसी के छात्र छात्राओं को मेडिकल क्षेत्र में फार्मेसी के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं इस मौके पर क्षेत्र के गणमान्य जनों ने भी अपने विचार बयक्त किए। वहीं कार्यक्रम में मौजूद पत्रकारों को भी दोशाला ओढ़ाकर उनको सम्मानित किया गया। इस मौके पर कालेज के सैकड़ों फार्मेसी छात्र छात्राएं व क्षेत्र के दर्जनों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

'साहब! गलती हो गई, माफ कर दो...', एक्स बॉयफ्रेंड ने फिंकवाया था नर्स पर तेजाब, एनकाउंटर के बाद लगा गिड़गिड़ाने

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में 35 साल की नर्स पर एक किशोर ने तेजाब फेंक दिया था। इस केस में अब चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। नर्स के एक्स बॉयफ्रेंड ने ही उस पर तेजाब से हमला करवाया था। अब पुलिस ने आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस संग उसकी मुठभेड़ हुई थी। जैसे ही पुलिस ने उसे पकड़ा तो बोला- साहब! गलती हो गई। माफ कर दो। फिर उसने बताया कि क्यों वो एक्स गर्लफ्रेंड से नाराज था।

दरअसल, मंगलवार शाम को मेरठ के लोहिया नगर थाना क्षेत्र की रहने वाली रुखसाना (35) पर एक किशोर ने तेजाब डाल दिया था। महिला एक प्राइवेट अस्पताल में काम करती है। शाम को जैसे ही वह अस्पताल जाने के लिए घर से निकली तो घर से कुछ ही दूरी पर उस पर एसिड डाल दिया गया। इसमें महिला का हाथ और शरीर का कुछ हिस्सा तेजाब से झुलस गया।

नर्स पर तेजाब फेंकने वाला एक किशोर था। तेजाब डालने के बाद वो फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तेजाब से झुलसी महिला को अस्पताल में भर्ती करवाया। जिसको दिल्ली अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने चार टीमें बना कर मामले की जांच शुरू की। सीडीआर-सीसीटीवी और सूचना के आधार पर आरोपी किशोर को गिरफ्तार कर लिया गया।

किशोर से घटना के बारे में पूछताछ की गई तो उसने बताया- महेंद्र प्रजापति नाम के एक व्यक्ति ने ₹2000 का लालच देकर उस महिला पर तेजाब डलवाया था। इसके बाद पुलिस महेंद्र प्रजापति की तलाश में जुड़ गई। फिर उसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस चेकिंग करने लगी। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी महेंद्र पुलिया के पास देखा गया है। इसी सूचना पर पुलिस भी वहां पहुंची। तभी एक बाइक सवार पुलिस की तरफ आता हुआ दिखाई दिया।

बाइक फिसली और हुई मुठभेड़

पुलिस को देखकर उसने अपनी बाइक दूसरी तरफ घुमा ली। पुलिस ने उसका पीछा किया। जलालपुर के रास्ते पर युवक की बाइक फिसल गई। उसके बाद पुलिस ने उसकी घेराबंदी की। जिस पर उसने पुलिस पर फायर कर दिया। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई, जिससे आरोपी के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर लिया और उसको इलाज के लिए मेडिकल में भर्ती कराया है।

पुलिस से माफी मांगने लगा आरोपी

पूछताछ में पता चला कि आरोपी महेंद्र का पूर्व में रुखसाना के साथ प्रेम प्रसंग रहा था। रुखसाना ने फिलहाल उसको फोन करना बंद कर दिया था। लगातार उनकी बात नहीं हो रही थी, जिसके कारण उसने इस घटना को अंजाम दिया। एक बाइक और एक तमंचा और एक खोखा कारतूस पुलिस ने उसके पास से बरामद कर लिया है। पुलिस की गोली लगने के बाद आरोपी रोता हुआ नजर आया और कह रहा था- साहब! गलती हो गई, माफ कर दो।

गुटखा ने ले ली जान! थूकने के लिए चलती ट्रेन बाहर निकाला मुंह, खंभे से टकराया सिर, मौत

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक युवक को गुटखा खाकर चलती ट्रेन से थूकना इतना महंगा पड़ गया कि इसकी कीमत उसे अपनी जान देकर चुकी पड़ी। घटना उस समय हुई जब युवक ने मुंह में भरा गुटखा थूकने के लिए अपना सिर बाहर निकाला। इसी दौरान उसका सिर बिजली के खंभे से टकरा गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद गंभीर रूप से घायल युवक को स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। युवक की छोटी सी लापरवाही ने उसकी जान ले ली। युवक फूलपुर थाना क्षेत्र शेखपुर पूर्वी मोहल्ला का रहने वाला था। मृतक युवक की पहचान सद्दाम के नाम से हुई है। उसकी उम्र 25 साल बताई जा रही है। सद्दाम कस्बे में वारी रोड पर ही सैलून की दुकान चलाता था।

कानपुर जा रहा था युवक

बुधवार को वह गांव के रहने वाले साथी फैसल के साथ पासपोर्ट बनवाने के लिए ट्रेन से कानपुर जा रहा था। इसी दौरान जब ट्रेन मनौरी के पास पहुंची तो सद्दाम ने गेट से सिर निकाला और मुंह में भरे गुटखे को थूकने का प्रयास किया। इस दौरान उसका सिर बिजली के खंभे से टकरा गया।

अस्पताल में हुई मौत

टक्कर से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद चेन पुलिंग करके ट्रेन रोकी गई और फिर रेलवे पुलिस को मामले की सूचना दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने जख्मी सद्दाम को स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

दोस्त ने बताई पूरी कहानी

मामले की जानकारी मिलने पर परिजन अस्पताल पहुंचे। मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन को सौंप दिया गया। सद्दाम के साथ यात्रा कर रहे उसेक साथी फैसल ने बताया कि चलती ट्रेन से बाहर सिर निकालकर गुटखा थूकने के दौरान यह हादसा हुआ। हादसा लोगों के लिए चेतावनी है कि चलती ट्रेन ने गुटखा-पान खाकर थूकना कितना खतरनाक हो सकता है।

शेरपुर कला से रवाना हुआ बगदाद शरीफ जियारत जत्था

पूरनपुर, पीलीभीत। गौसे आजम अब्दुल कादिर जिलानी की दरगाह कर्बला शरीफ की जियारत करने के लिए आज शेरपुर कला से जत्था रवाना हुआ। इस जत्थे में कुल 10 अकीदतमंत शामिल हैं, जिनमें पुरुष और महिलाएं दोनों हैं। श्रद्धालुओं को हाजी शरीफ घर की महिलाओं सहित रवाना किया गया। जियारत के लिए रवाना हुए श्रद्धालुओं में प्रमुख रूप से शामिल थे।फैसल खान, अब्दुल शाहिद.महबूब अखलाक मंसूरी और अन्य 7 श्रद्धालु रहे।शहरवासियों और स्थानीय लोगों ने जत्थे को विदा किया। विशेष रूप से हाजी रियाजतनूर खान, अब्दुल वाहिद खान, फरमान, सलमान खान और खलील खान ने फूलमालाओं से जत्थे का स्वागत और विदाई समारोह आयोजित किया।विदाई के दौरान स्थानीय लोगों ने श्रद्धालुओं के लिए दुआओं और आशीर्वाद की बरसात की। फूलमालाओं से सम्मानित जत्थे के सदस्यों ने बताया कि यह यात्रा न केवल धार्मिक आस्था की पुष्टि है।

नाबालिग प्रेमिका का कत्ल... फिर युवक ने खुद को भी मारी गोली, कमरे के बाहर खड़ी पुलिस देती रही ये चेतावनी

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। मुजफ्फरनगर से लापता किशोरी को पकड़ने पहुंची मुजफ्फरनगर पुलिस की दबिश के दौरान गुरुवार तड़के डिबाई में दिल को दहला देने वाली वारदात हुई। हाईवे स्थित मोहल्ला सराय किशन चंद में पुलिस से घिर जाने पर प्रेमी और प्रेमिका ने छतों के रास्ते भागने की कोशिश की। लेकिन, तीन घरों की छत के बाद रास्ता न दिखने पर प्रेमी ने तमंचे से पहले प्रेमिका को सिर में गोली मारी और फिर खुद को भी गोली मार आत्महत्या कर ली।

काफी देर तक को आवाज ना आने पर पुलिस ने छानबीन की तो दोनों के शव पड़ोसी की छत पर मिले। पुलिस की मौजूदगी में हुई इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। मुजफ्फरनगर के थाना छपार इलाके के एक गांव निवासी शख्स की 15 वर्षीय पुत्री 20 सितंबर को घर से लापता हो गई थी। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू की। जांच में सामने आया कि किशोरी को युवक प्रिंस (25) निवासी गांव फकरेड़ा, थाना भगवानपुर, जनपद हरिद्वार अपने साथ ले गया है। प्रिंस खेती का काम करता था। प्रिंस की किशोरी के गांव में ननिहाल है। पुलिस ने जब इनकी तलाश शुरू की तो सामने आया कि प्रिंस किशोरी को भगाकर डिबाई ले आया है। यहां उसके फूफा प्रमोद ने अपने परिचित से संपर्क कर मोहल्ला सराय किशन चंद स्थित हाईवे किनारे के एक मकान की ऊपरी मंजिल पर कमरा दिला दिया। गत 22 सितंबर को दो हजार रुपये एडवांस देकर प्रेमी युगल कमरे में रहने लगे। दोनों खुद खाना बनाते थे। बुधवार देर रात करीब तीन बजे मुजफ्फरनगर पुलिस, किशोरी की तलाश में युवक के फूफा और ग्राम प्रधान सहित चार लोगों के साथ डिबाई पहुंची। पुलिस ने किराए के कमरे का दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसी दौरान प्रेमी-प्रेमिका पुलिस को देख कर छतों के रास्ते भागने की कोशिश करने लगे। जब वह तीन घर दूर छत से पड़ोसी लायक सिंह (पूर्व एडीओ ब्लॉक) के मकान की छत पर पहुंचे, जो करीब तीस मीटर दूर है, तो उससे आगे जाने का रास्ता नहीं दिखा। भागने का कोई रास्ता न मिलने और पुलिस से घिर जाने पर प्रिंस ने तमंचे से पहले नाबालिग प्रेमिका के सिर में गोली मारी और फिर खुद के सिर में भी गोली दाग ली। पुलिस ने उन्हें चेतावनी दी थी कि वे हथियार न चलाएं, लेकिन उन्होंने किसी की नहीं सुनी। फायरिंग की आवाज सुनकर पुलिस और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो दोनों के शव छत पर खून से लथपथ पड़े थे। डिबाई पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए।

मुजफ्फरनगर पुलिस ने दबिश दी थी। आशंका है कि पुलिस के डर से युवक प्रिंस ने पहले किशोरी को गोली मारी और फिर खुद भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। युवक का आपराधिक इतिहास भी रहा है। - दिनेश कुमार सिंह, एसएसपी

प्रिंस इसी साल लूट के मामले में गया था जेल, जमानत पर था बाहर

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक प्रिंस आपराधिक प्रवृत्ति का था। इसी वर्ष मुजफ्फरनगर क्षेत्र में हुई एक लूट की वारदात में पुलिस ने उसे जेल भेजा था। उस दौरान भी उससे तमंचा बरामद हुआ था। वहीं, अब भी मृतक के पास से तमंचा बरामद हुआ है। मृतक के परिजनों का भी कहना है कि वह कुछ समय से गलत संगत में पड़ गया था।

स्थानीय लोगों ने 112 पर दी चोरों के आने और फायरिंग की सूचना

गोली चलने की आवाज सुनकर स्थानीय लोगों ने डायल 112 पर कॉल कर सूचना दी कि क्षेत्र में चोर आ गए हैं जो कि फायरिंग कर रहे हैं। जिसके बाद डिबाई की डायल 112 टीम मौके पर पहुंची तो वहां पहले से ही मुजफ्फरनगर पुलिस टीम मौजूद मिली। मुजफ्फरनगर पुलिस ने डायल 112 के कर्मचारियों को पूरे मामले की जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस ने दोनों की तलाश में किराए वाले मकान पर दबिश दी तो वह दोनों वहां नहीं मिले। इसके बाद किसी ने बताया कि तीन घर छोड़ कर लायक सिंह के मकान की छत पर उन्होंने फायरिंग के दौरान निकलने वाली चिंगारी देखी है।

नौ लाख का जेनरेटर, 3 लाख में बेचने के बहाने बुलाया...बलिया के बीजेपी नेता की कैसे की हत्या?

आर्यावर्त संवाददाता

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया के भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष और उनके शोरूम के मैकेनिक राजस्थान में हत्या कर दी गई। मामले में ऑनलाइन ठगों ने सस्ता जेनरेटर देने का झांसा देकर नेता को राजस्थान बुलाया और उनको लूटकर दोनों की जयपुर जिले में हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपियों ने शवों को राजस्थान के शाहजहांपुर थाना क्षेत्र को अलग-अलग कुएं में फेंक दिया और फरार हो गए।

मामले में बदमाशों ने नौ लाख रुपये की कीमत का जनरेटर 3। 30 लाख रुपये में बेचने के बहाने उन लोगों को बुलाया था। इसके बाद बदमाशों ने दोनों को पहले एक दिन गुरुग्राम और फिर कोटपूतली में घुमाया। इसके बाद ठगों ने उनसे जबरन 10 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए और उन दोनों की हत्या कर दी। मृतक की पहचान किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अशोक सिंह (53) व उनके बाइक शोरूम के मैकेनिक विकास कुमार के रूप में हुई है।

ऑनलाइन ठगों ने दिया झांसा

मृतक अशोक सिंह बलिया के आघैला गांव निवासी बजाज बाइक की एजेंसी चलते थे। जानकारी के मुताबिक 16 सितंबर को अशोक सिंह की ऑनलाइन ठगों से जनरेटर खरीदने की डील हुई। ठगों ने नौ लाख रुपये कीमत का जनरेटर उन्हें साढ़े तीन लाख में दिलाने का लालच दिया। अशोक सिंह को उनके झांसे में आ गए। इसके बाद अशोक सिंह शोरूम में बतौर मैकेनिक काम करने वाले विकास कुमार के साथ जनरेटर लेने की नीयत से दोनों दिल्ली होते हुए राजस्थान पहुंचे। 18 सितंबर को बलिया से राजस्थान के लिए रवाना हुए। इसके बाद उनका मोबाइल बंद हो गया।

दर्ज हुई गुमशुदगी की रिपोर्ट

मामले में अशोक सिंह के भाई ने बताया कि वो घर से बिना बताये राजस्थान के निकले थे। जब परिवार के लोगों ने उनसे संपर्क करने का प्रयास किया तो उनका फोन बंद आ रहा था। इसके बाद अशोक सिंह के छोटे भाई निर्भय नारायण सिंह ने 21 सितंबर को रेल भवन नई दिल्ली में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई रिपोर्ट दर्ज कराई। अशोक सिंह के एक भाई आइआरएस और दूसरे पीसीएस अधिकारी हैं।

कुएं में मिला शव

मामला हाईप्रोफाइल होने की वजह से पुलिस तुरंत एक्टिव हो गई। मामले में पुलिस ने दोनों का लोकेशन ट्रेक किया तो उनका लोकेशन कोटपूतली और बहरोड़ (राजस्थान) में मिला। इसके बाद पुलिस ने तुरंत राजस्थान पुलिस से संपर्क किया। मंगलवार के शाम पुलिस को शाहपुर क्षेत्र के संदेशी और जोना चाय खुर्द गांव के बीच एक कुएं से तेज दुर्गंध आने की सूचना मिली। तलाशी अभियान चलाया गया तो कुएं से अशोक सिंह का शव बरामद किया गया। कुछ ही दूरी पर एक अन्य कुएं से उनके कर्मचारी विकास कुमार का भी शव निकाला गया। दोनों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस मामले की कई एंगल से जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर ग्राम प्रधान ने किया शुभारंभ

आर्यावर्त संवाददाता

पीलीभीत। भारत सरकार एवं राज्य स्तर से प्राप्त दिशा-निर्देशों के क्रम में ब्लाक बिलसंडा के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दियोरिया कलां में "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार" अभियान के अन्तर्गत स्वास्थ्य शिविर का शुभारम्भ ग्राम प्रधान अजय सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ0 छत्रपाल ने शिविर का संचालन करते हुये प्रत्येक स्टॉल पर जाकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये। मुख्य अतिथि द्वारा शिविर में आये हुये लाभार्थियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि स्वस्थ नारी होने से एक सशक्त परिवार का निर्माण होता है जो देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है साथ ही ग्राम प्रधान अजय सिंह ने शिविर में आये सभी जनमानस को अपनी अपनी जॉचे करवाते हुये अधिक से अधिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त करने एवं निशुल्क परामर्श एवं दवाइयॉ प्राप्त करने के लिये प्रेरित किया। स्वास्थ्य शिविर में लगभग 405 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त किया।इस अवसर पर दियोरिया कलां के ग्राम प्रधान अजय सिंह, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ0 छत्रपाल , विशेषज्ञ चिकित्सक डा0 अनुपम जैसवाल, डा0 दानियाल अहमद, डा0 शकील, जुगल किशोर, डॉ0 रामवचन पटेल, डॉ0 सन्दीप, पल्लवी सक्सेना, सोमवीर, अवधेश शर्मा, जयेश मिश्रा, रश्मि राठौर, पलास शर्मा, राजेश कनौजिया, सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गरबा नृत्य को करने से मिल सकते हैं कई स्वास्थ्य लाभ

गरबा एक पारंपरिक गुजराती नृत्य है, जो मुख्य रूप से नवरात्रि के दौरान किया जाता है। यह न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। गरबा करने से शरीर की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है, कैलोरी कम होती हैं और मानसिक तनाव घटता है। आइए जानते हैं कि कैसे यह पारंपरिक नृत्य आपके जीवन को स्वस्थ और खुशहाल बना सकता है।

कैलोरी कम करने में सहायक

गरबा करने से शरीर की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं और इससे कैलोरी कम करने में मदद मिलती है। यह एक तेज गति वाला नृत्य है, जो आपके दिल की धड़कन को बढ़ाता है और रक्त संचार को सुधारता है। नियमित रूप से गरबा करने से आप वजन घटाने में भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। यह खासतौर से उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो जिम जाने का समय नहीं निकाल पाते।

मांसपेशियों को मिलती है मजबूती

गरबा करने से आपके शरीर की प्रमुख मांसपेशियां मजबूत होती हैं। यह नृत्य पैर, हाथ, कंधे और कमर की मांसपेशियों को टोन करता है। इसके अलावा यह शरीर की लचीलापन बढ़ाता है और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। नियमित रूप से गरबा करने से आप अपने शरीर की ताकत और सहनशक्ति में सुधार कर सकते हैं। यह खासतौर से उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो शारीरिक श्रम वाले काम करते हैं।

मानसिक तनाव होता है कम

गरबा एक सामाजिक गतिविधि है, जिसमें लोग मिलकर नाचते हैं और गाते हैं। इससे मानसिक तनाव कम होता है और मनोबल बढ़ता है। जब आप दोस्तों या परिवार के साथ मिलकर गरबा करते हैं तो आपको खुशी मिलती है और आप खुद को तरोताजा महसूस करते हैं। यह आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है क्योंकि इससे आपकी चिंता और तनाव कम होता है।

सामाजिक संबंध बनते हैं मजबूत

गरबा एक सामूहिक गतिविधि है, जिसमें लोग मिलकर नाचते हैं और गाते हैं। इससे सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं और समुदाय की भावना बढ़ती है। जब आप किसी समूह के साथ गरबा करते हैं तो आप नए दोस्त बनाते हैं और पुराने दोस्तों से मिलते हैं। यह आपके सामाजिक जीवन को समृद्ध बनाता है और आपको अकेलापन महसूस नहीं होता। इसके अलावा यह आपके आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है।

दिल के स्वास्थ्य के लिए है लाभकारी

गरबा करने से दिल की धड़कन तेज होती है, जिससे रक्त संचार बेहतर होता है और दिल का स्वास्थ्य अच्छा रहता है। नियमित रूप से गरबा करने वालों में दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। यह नृत्य उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्राल जैसी समस्याओं से भी राहत दिलाता है। इसके अलावा यह शारीरिक एक्सरसाइज का एक बेहतरीन रूप है, जो आपके शरीर को फिट रखने में मदद करता है।

नसों में जमे बैड कोलेस्ट्रॉल को पिघला सकती हैं आपकी ये आदतें, आज से ही दिनचर्या में करें बदलाव

शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसे नियंत्रित करने के लिए डॉक्टर से इलाज कराना जरूरी है। इसके साथ ही अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव करके भी बैड कोलेस्ट्रॉल को कम किया जा सकता है, जिसके बारे में आपको जानना चाहिए।

हाई कोलेस्ट्रॉल एक ऐसी समस्या है, जिसे 'साइलेंट किलर' भी कहा जाता है क्योंकि इसके शुरुआती लक्षण आसानी से दिखाई नहीं देते। हमारी नसों (धमनियों) में जब बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल की मात्रा बढ़ जाती है, तो यह एक मोम जैसे पदार्थ की तरह नसों की दीवारों पर चिपकने लगता है। इससे नसें संकरी और सख्त हो जाती हैं, जिससे खून के बहाव में रुकावट आती है और हार्ट अटैक व स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

लेकिन अच्छी बात यह है कि दवाओं के साथ-साथ हमारी दिनचर्या की कुछ अच्छी आदतें इस जमे हुए बैड कोलेस्ट्रॉल को प्राकृतिक रूप से कम करने या पिघलाने में मदद कर सकती हैं। अपनी जीवनशैली में आज से ही कुछ आसान बदलाव करके आप अपने दिल को स्वस्थ बना सकते हैं।

घुलनशील फाइबर को डाइट में शामिल करें

अपनी डाइट में घुलनशील फाइबर से भरपूर चीजों को शामिल करना कोलेस्ट्रॉल कम करने का सबसे असरदार तरीका है। यह फाइबर पानी में घुलकर एक जेल जैसा पदार्थ बनाता है, जो पाचन तंत्र में कोलेस्ट्रॉल को बांधकर शरीर से बाहर निकाल देता है। इसके लिए अपनी डाइट में जई, दलिया, सेब, बीन्स, दालें और खट्टे फलों को शामिल करें। दिन की शुरुआत एक कटोरी ओट्स से करना आपके दिल के स्वास्थ्य के लिए बेहतरीन हो सकता है।

नियमित व्यायाम है 'रामबाण' इलाज

को बढ़ाती है। नियमित व्यायाम न सिर्फ आपका वजन नियंत्रित रखता है, बल्कि यह गुड कोलेस्ट्रॉल यानी एचडीएल को बढ़ाने में भी मदद करता है। गुड कोलेस्ट्रॉल नसों में जमे बैड कोलेस्ट्रॉल को वापस लिवर तक ले जाता है, जहां से वह शरीर से बाहर निकल जाता है। हफ्ते में कम से कम 5 दिन, 30 से 45 मिनट तक तेज चलने, जॉगिंग या साइकिलिंग जैसी कोई भी एक्सरसाइज जरूर करें।

एक गतिहीन जीवनशैली बैड कोलेस्ट्रॉल

सैचुरेटेड फैट से परहेज करें

अपने भोजन से ट्रांस फैट और सैचुरेटेड फैट को हटा दें, जो अक्सर तले हुए खाने, जंक फूड और पैकेट वाले स्नैक्स में पाए जाते हैं। इसके बजाय हेल्दी फैट्स को चुनें, जैसे कि बादाम, अखरोट, अलसी के बीज और जैतून का तेल आदि। इसके अलावा, धूम्रपान और शराब का सेवन सीधे तौर पर आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बिगाड़ता है।

तनाव प्रबंधन और पर्याप्त नींद है जरूरी

लगातार बना रहने वाला तनाव भी अप्रत्यक्ष रूप से कोलेस्ट्रॉल बढ़ा सकता है, क्योंकि यह हमारी खाने-पीने की आदतों को प्रभावित करता है। तनाव को कम करने के लिए योग या ध्यान करें। इसके साथ ही रोजाना 7-8 घंटे की गहरी नींद लेना भी बहुत जरूरी है। अच्छी नींद शरीर को खुद को सुधारने और मेटाबॉलिज्म को दुरुस्त रखने में मदद करती है, जिससे कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखने में आसानी होती है।

डाइट सोडा पीने से हो सकती हैं ये 5 गंभीर समस्याएं, न करें सेवन

डाइट सोडा को अक्सर सेहत के लिए सही माना जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह आपके स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। इसमें मौजूद आर्टिफिशियल मिठास और अन्य रसायन शरीर पर बुरा असर डाल सकते हैं। इस लेख में हम आपको डाइट सोडा के सेवन से जुड़ी कुछ चौंकाने वाली सच्चाइयों के बारे में बताएंगे, जो आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं।

वजन बढ़ने के खतरा

डाइट सोडा में इस्तेमाल होने वाले आर्टिफिशियल मिठास जैसे एस्पार्टेम और सुक्रालोज का सेवन वजन बढ़ाने का कारण बन सकता है। ये मिठास शरीर की मेटाबालिज्म प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं और शरीर की इंसुलिन प्रतिक्रिया को बदल सकते हैं। इससे शरीर में अतिरिक्त चर्बी जमा होने की संभावना बढ़ जाती है, जिससे वजन बढ़ना शुरू हो सकता है। इसलिए डाइट सोडा का सेवन करने वाले लोगों को अपने वजन पर नजर रखनी चाहिए।

हृदय रोग का बन सकता है कारण

डाइट सोडा का अधिक सेवन करने से हृदय रोगों का खतरा भी बढ़ सकता है। आर्टिफिशियल मिठास के कारण रक्तचाप में वृद्धि हो सकती है, जिससे हृदय रोगों का खतरा बढ़ता है। इसके अलावा इन मिठास के कारण रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया भी प्रभावित होती है, जिससे दिल की धड़कन अनियमित हो सकती है। इसलिए डाइट सोडा का सेवन करते समय सावधानी बरतनी चाहिए और किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर तुरंत डाक्टर से संपर्क करें।

पाचन क्रिया पर पड़ता है बुरा असर

डाइट सोडा का अधिक सेवन पाचन क्रिया पर भी बुरा असर डाल सकता है। इसके कारण पेट में एसिड की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे पेट दर्द और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। .यइसके अलावा डाइट सोडा में मौजूद रसायनों के कारण पेट फूलना और कब्ज जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए डाइट सोडा का सेवन करते समय सावधानी बरतनी चाहिए और किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर तुरंत डाक्टर से संपर्क करें।

गर्भावस्था में हो सकता है नुकसानदायक

गर्भावस्था के दौरान डाइट सोडा का सेवन करना नुकसानदायक हो सकता है। इसमें मौजूद आर्टिफिशियल मिठास और रसायन गर्भवती महिलाओं और उनके होने वाले शिशुओं के लिए खतरा साबित हो सकते हैं। इससे शिशु का विकास भी प्रभावित हो सकता है और जन्मजात बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए गर्भवती महिलाओं को डाइट सोडा का सेवन करने से पहले डाक्टर की सलाह लेनी चाहिए और संतुलित आहार के साथ पानी का सेवन करना चाहिए।

मस्तिष्क पर पड़ सकता है बुरा असर

डाइट सोडा के लगातार सेवन से मस्तिष्क भी प्रभावित हो सकता है। इससे मस्तिष्क की कार्यक्षमता कमजोर हो सकती है और याददाश्त पर भी बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा डाइट सोडा में मौजूद रसायनों के कारण सिरदर्द और माइग्रेन जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए डाइट सोडा का सेवन करते समय सावधानी बरतनी चाहिए और किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर तुरंत डाक्टर से संपर्क करें।

रिटायरमेंट के बाद भी पीएफ पर मिलता है ब्याज, ईपीएफओ का ये नियम जान लें नहीं तो हो सकता है नुकसान

अगर आप रिटायर हो रहे हैं और ईपीएफओ सदस्य हैं, तो ध्यान दें। रिटायरमेंट के बाद आपके पीएफ खाते पर तीन साल तक ब्याज मिलता है। तीन साल के बाद ही अकाउंट निष्क्रिय होता है और उस पर ब्याज देना बंद हो जाता है।

अगर आप रिटायर हो रहे हैं और आपका ईपीएफ अकाउंट है, तो एक जरूरी बात जान लीजिए। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के नियमों के मुताबिक, रिटायरमेंट के बाद आपके PF अकाउंट पर तीन साल तक ही ब्याज मिलेगा। यानी, अगर आपने 58 की उम्र में रिटायरमेंट ली है, तो आपके PF अकाउंट पर ब्याज 61 साल की उम्र तक मिलेगा। इसके बाद आपका PF अकाउंट निष्क्रिय यानी इनऑपरेटिव कर दिया जाएगा और उस पर ब्याज देना बंद हो जाएगा।

पीएफ अकाउंट हो जाएगा निष्क्रिय

कुछ लोग सोचते हैं कि अगर पीएफ अकाउंट निष्क्रिय हो गया तो उनका पैसा डूब जाएगा, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। आपका पैसा पूरी तरह से सुरक्षित रहता है, बस उस पर ब्याज देना बंद हो जाता है। मतलब, रिटायरमेंट के तीन साल बाद अगर आपने PF की राशि नहीं निकाली तो आपकी जमा रकम तो बनी रहेगी, लेकिन उस पर ब्याज नहीं मिलेगा। इसलिए ये जरूरी है कि रिटायरमेंट के तीन साल के अंदर PF की रकम निकाल लें और उसे कहीं और निवेश करें ताकि आपको ब्याज का लाभ मिलता रहे।

नौकरी छोड़ने के बाद भी मिलेगा तीन साल तक ब्याज

रिटायरमेंट की तरह ही अगर आप नौकरी छोड़ते हैं, तो आपकी पीएफ जमा राशि पर भी तीन साल तक ब्याज मिलता रहेगा। मतलब, आपकी आखिरी कंपनी द्वारा जमा की गई PF राशि पर सरकार तीन साल तक ब्याज देगी। इसके बाद आपका पीएफ अकाउंट निष्क्रिय हो जाएगा और ब्याज देना बंद हो जाएगा। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ईपीएफओ ने 8.25 फीसदी का ब्याज दर तय की है, जो समय-समय पर बदलती रहती है। इसलिए यह जानना जरूरी है कि नौकरी छोड़ने के बाद भी PF में जमा राशि पर कुछ समय तक ब्याज मिलता रहता है।

पीएफ निकालना अब हुआ आसान

ईपीएफओ ने पीएफ निकालने के नियम बहुत आसान कर दिए हैं ताकि कर्मचारियों को झंझट न हो। अगर आपका UAN एक्टिव है और KYC पूरी है, तो आप घर बैठे ही ऑनलाइन पीएफ निकाल सकते हैं। इसके लिए ईपीएफओ की वेबसाइट पर जाकर अपने UAN से लॉगिन करें, फिर Online Services में Claim सेक्शन में जाएं। वहां बैंक डिटेल्स वेरिफाई करके और कारण चुनकर आप पीएफ निकाल सकते हैं। OTP वेरिफिकेशन के बाद 7-8 दिन में पैसा सीधे आपके बैंक खाते में आ जाता है। अगर आप ऑफलाइन निकालना चाहते हैं तो नजदीकी ईपीएफओ ऑफिस जाकर फॉर्म-19, 10C या 31 भरना होगा। पहचान पत्र और बैंक पासबुक की कॉपी लगानी पड़ती है। कंपनी से साइन-स्टैम्प भी लेना पड़ सकता है। इसके बाद 7 से 10 दिन में पैसा मिल जाता है।

पिछली दीपावली से अब तक 43 प्रतिशत बढ़े सोने के दाम, चांदी ने दिया 37 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल दीपावली आने में एक महीने से कम का समय बचा हुआ है। पिछले दीपावली से अब तक सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी तेजी देखने को मिली है। दोनों कीमती धातुओं ने निवेशकों को 43 प्रतिशत तक का दमदार रिटर्न दिया है।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत 30 अक्टूबर को 79,681 रुपए प्रति 10 ग्राम थी, जो कि अब बढ़कर 1,14,314 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। इस प्रकार पिछली दीपावली से लेकर अब तक सोने की कीमत में 43.46 प्रतिशत का उछाल आ चुका है। 2024 में दीपावली 31 अक्टूबर की थी, लेकिन दीपावली के दिन बाजार बंद रहने के कारण कीमतें 30 अक्टूबर की ली गई हैं।

22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 1,04,712 रुपए हो गई है, जो कि पिछली दीपावली पर 72,988 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी। वहीं, इस दौरान 18 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम बढ़कर 85,736 रुपए हो गया है, जो कि पहले 59,761 रुपए प्रति 10 ग्राम था। सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी तेज उछाल देखने को मिला है। चांदी की कीमत पिछली दीपावली से 37.55 प्रतिशत बढ़कर 1,35,267 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि पहले 98,340 रुपए प्रति किलो थी।

सोने और चांदी की कीमतों में बढ़त की वजह वैश्विक स्तर पर उठापटक को माना जा रहा है। बीते एक वर्ष में रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास युद्ध के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से टैरिफ लगाने के कारण ग्लोबल स्तर पर उथलपुथल की स्थिति रही है, जिससे निवेशकों ने सुरक्षित संपत्ति मानी जाने वाले सोने और चांदी में निवेश बढ़ा दिया है, जिससे दोनों कीमती धातुओं की कीमत में उछाल देखने को मिला है।

इसके अलावा, चांदी की कीमत बढ़ने की एक वजह इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का उपयोग बढ़ना है, जिसमें इसका बड़े स्तर पर उपयोग किया जाता है।

भारत के गहरे समुद्र से अब निकाला जाएगा तेल और गैस, खोज के लिए मिशन होगा शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी तेल कंपनी ओनएजीसी, वैश्विक एनर्जी दिग्गज बीपी के साथ मिलकर देश में अगले साल से गहरे समुद्र में तेल एवं गैस की खोज करेंगी। यह देश की एनर्जी सिक्योरिटी को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा तेल और गैस की खोज करने के मिशन का हिस्सा है, जिससे देश के एनर्जी आयात को घटाया जा सके। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी की ओर से दी गई।

इस ड्रिलिंग में बीपी की भूमिका सहायक की होगी। यह अंडमान, महानदी, सौराष्ट्र और बंगाल अपतटीय तलछटी घाटियों पर केंद्रित होगी। यह पूरा अभियान 3,200 करोड़ रुपए के निवेश से चलाया जाएगा। ओएनजीसी ने इस साल जुलाई में बीपी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत एक साझेदारी स्थापित की जाएगी जो भूवैज्ञानिक समझ को बढ़ाएगी और अप्रयुक्त हाइड्रोकार्बन क्षमता को उजागर करेगी, जिससे भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी। नई भूकंपीय तकनीकों द्वारा समर्थित, गहरे पानी की खोज में बीपी का अनुभव, स्ट्रेटीग्राफिक ड्रिलिंग के लिए कुओं के डिजाइन और स्थान निर्धारण में बहुत सहायक होगा। समझौते के तहत, ओएनजीसी निवेश करेगी, जबकि बीपी विशेषज्ञता प्रदान करेगी।

स्ट्रेटीग्राफिक ड्रिलिंग अपतटीय बेसिनों के भूविज्ञान को समझने और संभावित हाइड्रोकार्बन संसाधनों की पहचान करने पर केंद्रित होगी, जिनका उपयोग भविष्य में तेल और गैस अन्वेषण के लिए किया जा सकता है।

दिल्ली में ऊर्जा वार्ता 2025 कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। केंद्रीय मंत्री ने हाल ही में अंडमान और निकोबार बेसिन के भूवैज्ञानिक महत्व का जिक्र किया था। भारतीय और बर्मी प्लेटों की सीमा पर स्थित इस विवर्तनिक संरचना के कारण कई स्ट्रेटीग्राफिक ट्रैप बने हैं जो हाइड्रोकार्बन संचय के लिए अनुकूल हैं। म्यांमार और उत्तरी सुमात्रा में सिद्ध पेट्रोलियम प्रणालियों से इस बेसिन की निकटता इस भूवैज्ञानिक संभावना को और बढ़ा देती है।

इसके अतिरिक्त, अब तक के अन्वेषण परिणामों के बार बताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ओएनजीसी ने 20 ब्लॉकों में हाइड्रोकार्बन खोजें की हैं, जिनमें अनुमानित 75 मिलियन मीट्रिक टन तेल समतुल्य भंडार है। ऑयल इंडिया लिमिटेड ने पिछले चार वर्षों में सात तेल और गैस खोजें की हैं, जिनमें अनुमानित 9.8 मिलियन बैरल तेल और 2,706.3 मिलियन मानक घन मीटर गैस भंडार है।

व्हाइट हाउस में शहबाज शरीफ से मिलेंगे ट्रंप, टिकटॉक समझौते को लेकर कार्यकारी आदेश पर भी करेंगे हस्ताक्षर

यरुशलम, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आज कई महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकों में शामिल होंगे, जिनमें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ ओवल ऑफिस में एक एक बैठक भी शामिल है। व्हाइट हाउस की ओर से जारी सार्वजनिक कार्यक्रम की सूची के मुताबिक यह उनकी कई महत्वपूर्ण वार्ताओं में से एक होगी।

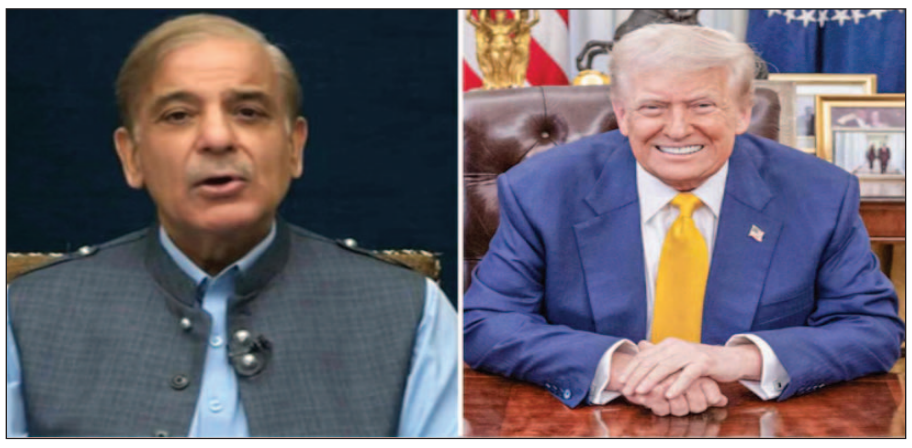

शरीफ न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में भाग लेने के बाद वॉशिंगटन पहुंचेंगे। उन्होंने बुधवार को संयुक्त जलवायु सम्मेलन में कहा कि पाकिस्तान पर बढ़ता कर्ज चिंता का विषय है और इससे वैश्विक चुनौतियों का समाधान नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह टिप्पणी उस दावे की पृष्ठभूमि मे की, जिसमें कहा गया कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए इस्लामाबाद 'ठोस कदम' उठा रहा है।

मंगलवार को ट्रंप और आठ इस्लामी-अरब देशों के नेताओं की बैठक की बैठक हुई। इसके बाद शरीफ ने ट्रंप से एक अनौपचारिक मुलाकात की। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि शरीफ और उप प्रधानमंत्री इशाक डार ट्रंप के साथ बातचीत में शामिल हुए।

व्हाइट हाउस के सार्वजनिक कार्यक्रम की सूची के मुताबिक, ट्रंप शरीफ से मिलने से पहले कुछ कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे, जिनमें टिकटॉक सुरक्षा समझौते को अंतिम रूप देना भी शामिल है। सोमवार को व्हाइट हाउस ने कहा था कि इस समझौते पर ट्रंप इसी हफ्ते हस्ताक्षर करेंगे, ताकि यह लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अमेरिका में सख्त नियंत्रण में काम करता रहे।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने बताया कि टिकटॉक का अधिकांश स्वामित्व अमेरिकी निवेशकों के पास होगा और इसे एक ऐसा बोर्ड संचालित करेगा, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा और साइबर सुरक्षा के विशेषज्ञ शामिल होंगे। लीविट ने कहा कि ऑरेकल इस प्लेटफॉर्म के अमेरिकी यूजर्स के डाटा की निगरानी करेगा और यह डाटा अमेरिका में ऑरेकल संचालित सर्वरों पर सुरक्षित रहेगा, ताकि विदेशी निगरानी या दखल रोका जा सके, खासकर चीन से।

उन्होंने कहा, राष्ट्रपति इस हफ्ते किसी भी समय इस समझौते पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर करेंगे। इसके तहत टिकटॉक का अधिकांश हिस्सा अमेरिकी निवेशकों के पास होगा और इसे एक ऐसे निवेशक मंडल नियंत्रित करेगा, जिसमें सुरक्षा और साइबर विशेषज्ञ हों।

पिछले शुक्रवार को ट्रंप ने कहा था कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस समझौते को मंजूरी दे दी है, ताकि यह ऐप अमेरिका में काम करना जारी रखे। उससे पहले ट्रंप और जिनपिंग के बीच टेलीफोन पर वार्ता हुई थी, जिसमें दोनों नेताओं ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इनमें टिकटॉक का मुद्दा भी शामिल था। बाइडन प्रशासन ने एक कानून बनाया था, जिसे लागू करने पर यह ऐप चीनी इंटरनेट कंपनी बाइटडांस के स्वामित्व से बाहर होगी। इसके कुछ घंटों बाद बाइटडांस ने कहा था कि वह जरूरी कदम उठाएगा, ताकि टिकटॉक अमेरिका में अपना काम जारी रख सके।

'मुझे निशाना बनाया गया, ये इत्तेफाक नहीं', यूएन में तीन घटनाओं को ट्रंप ने बताया भयावह ; बिठाई गई जांच

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र में उनके साथ तीन संदिग्ध घटनाएं घटनाएं हुईं, जिनका वह शिकार बने। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं की जांच अब सीक्रेट सर्विस करेगी। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की बैठक में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने इस संस्था की निंदा की। ट्रंप ने कहा कि यह अपनी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं कर पाई है। उन्होंने अमेरिका के सहयोगी यूरोपीय देशों की रूस-यूक्रेन युद्ध में भूमिका और प्रवासियों को स्वीकार करने के तरीके की भी आलोनचा। उन्होंने अन्य विश्व नेताओं से कहा कि उनके देश पतन की ओर जा रहे हैं। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्रंप ने संकेत दिया कि संयुक्त राष्ट्र में तीन अशुभ घटनाओं के कारण उनका मूड बहुत खराब था। उन्होंने इसे अपने खिलाफ साजिश का हिस्सा बताया। पहली घटना में जब ट्रंप और उनके साथी एस्केलेटर (चलती हुई सीढ़ी) पर थे, तो यह अचानक रुक गई। ट्रंप ने इसे एक साजिश करार दिया। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के एक वीडियोग्राफर ने गलती से एस्केलेटर के ऊपर स्थित स्टॉप मैकेनिज्म को सक्रिय कर दिया होगा। ट्रंप ने कहा, जिन लोगों ने यह किया उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। दूसरी घटना में ट्रंप जब संयुक्त राष्ट्र में भाषण दे रहे थे, तो टेलीप्रॉम्प्टर अचानक बंद हो गया। संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि इस दावे में विरोधाभास यह है कि टेलीप्रॉम्प्टर का संचान खुद व्हाइट हाउस करता है, न कि संयुक्त राष्ट्र। ट्रंप ने दावा किया तीसरी घटना में जब वह भाषण दे रहे थे, तो उनका माइक ठीक से काम नहीं कर रहा था।

अगले महीने भारत आ सकती हैं कनाडा की विदेश मंत्री, निज्जर विवाद के बाद होगा पहला हाई प्रोफाइल-दौरा

ओटावा। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद अगले महीने भारत का दौरा करेगी, जहां वह अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर से मुलाकात करेंगी। 2023 में दोनों देशों के संबंधों में खटास आई थी। जिसके बाद से कनाडा के किसी विदेश मंत्री का यह पहला आधिकारिक दौरा होगा। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

2023 में कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत सरकार पर आरोप लगाया था कि वह खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या करने की साजिश में शामिल है। इसके बाद द्विपक्षीय संबंधों में भारी गिरावट देखने को मिली। सूत्रों के मुताबिक, दौरे की तारीख अभी तय नहीं हुई है। लेकिन दोनों देशों के अधिकारी आपस में संपर्क में हैं और तारीख पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

इस साल जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी की मुलाकात हुई थी। इसके बाद से दोनों देशों के संबंध लगातार सुधर रहे हैं। इस मुलाकात के बाद से भारत और कनाडा ने संबंधों को सामान्य करने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। बुधवार को भारत के नए उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने ओटावा में रिड्यू हॉल में औपचारिक रूप से अपना कार्यभार संभाला। इससे पहले कनाडा के कई शीर्ष अधिकारियों ने भी भारत का दौरा किया है।

पिछले हफ्ते भारत ने संकेत दिया कि वह कनाडा में अपने सभी राजनयिकों की बहाली पर विचार कर सकता है। दो साल पहले भारत ने कनाडा के दो-तिहाई राजनयिकों की कूटनीतिक सुरक्षा को हटा दिया था। जिसके बाद अक्तूबर 2023 में 41 कनाडाई अधिकारियों को भारत छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा था। पिछले शुक्रवार को भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि दोनों देश अपने-अपने मिशनों और वाणिज्य दूतावासों में क्षमता से जुड़ी समस्याओं को रचनात्मक तरीके से हल करने पर सहमत हुए हैं।

भारत और कनाडा के संबंध उस वक्त सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे, जब 2023 में तत्कालीन कनाडाई प्रधानमंत्री ट्रूडो ने निज्जर की हत्या के मामले में भारत की संलिप्तता का आरोप लगाया था। इस आरोप के बाद भारत ने कनाडा से अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया था।

जयशंकर ने मैक्सिको-साइप्रस समेत कई विदेश मंत्रियों से की मुलाकात, आपसी रिश्ते मजबूत करने पर जोर

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के दौरान भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मैक्सिको, साइप्रस और कई प्रशांत द्वीपीय देशों के विदेश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन बैठकों का मकसद भारत के वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करना रहा। इन बैठकों के बारे में जयशंकर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जानकारी दी।

इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्होंने मैक्सिको के विदेश मंत्री जुआन रामोन दे ला फुएंते से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने हाल ही में हुए आपसी आदान-प्रदान को आगे बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों को नया दिशा देने पर सहमति जताई।

साइप्रस के विदेश मंत्री से भी की मुलाकात

इसके साथ ही जयशंकर ने साइप्रस के विदेश मंत्री कॉन्स्टेंटिनोस कोम्बोस से भी मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस यात्रा के बाद द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की गई। जयशंकर ने यूरोप में हो रहे घटनाक्रमों पर कॉम्बोस की समझ की सराहना की। साथ ही कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और ढांचे के अनुरूप साइप्रस मुद्दे के स्थायी समाधान का समर्थन करता है। उन्होंने जल्द ही कॉम्बोस को भारत आने का निमंत्रण भी दिया।

कई प्रशांत देशो के नेताओं से भी मिले जयशंकर

जयशंकर ने फोरम फॉर इंडिया-पैसिफिक आइलैंड्स कोऑपरेशन (एफआईपीआईसी) की विदेश मंत्रियों की बैठक के मौके पर कई प्रशांत देशों के नेताओं से भी मुलाकात की। उन्होंने मार्शल आइलैंड्स के विदेश मंत्री कालानी कानेको, तुवालु के विदेश मंत्री पॉलसन पानापा और पलाउ के राज्य मंत्री गुस्ताव आइटारो से चर्चा की।

इन मुलाकातों के दौरान भारत की प्रशांत क्षेत्र के साथ साझेदारी को और गहरा करने पर सहमति बनी। इसके अलावा जयशंकर ने सोलोमन आइलैंड्स के विदेश मंत्री पीटर शनेल अगोवाका और टोंगा के प्रधानमंत्री डॉ ऐसाके वालू एके से भी गर्मजोशी से मुलाकात की और आपसी हितों पर बातचीत की।

सीबीआई जांच के दायरे में आया सोनम वांगचुक का संस्थान, विदेश से अवैध तरह से फंड जुटाने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। लद्दाख के चर्चित शिक्षा सुधारक और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के संस्थान के खिलाफ विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) उल्लंघन को लेकर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जांच शुरू कर दी है।

न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत में सोनम वांगचुक ने खुद बताया कि करीब 10 दिन पहले सीबीआई की टीम उनके संस्थान हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ आल्टरनेटिव्स, लद्दाख (HIAL) पहुंची थी। वांगचुक के मुताबिक, सीबीआई ने बताया कि यह जांच गृह मंत्रालय की शिकायत पर की जा रही है और आरोप लगाया कि संस्थान कथित तौर पर बिना एफसीआरए अनुमति के विदेशी फंड प्राप्त कर रहा है। बताया गया है कि मामले में जांच जारी है, हालांकि कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है।

वांगचुक ने कहा, "हम विदेशी फंड पर निर्भर नहीं रहना चाहते। हम अपना ज्ञान निर्यात कर राजस्व जुटाते हैं। तीन ऐसे मामलों को विदेशी योगदान समझ लिया गया, जबकि वे सेवा समझौते थे जिन पर सरकार को टैक्स भी चुकाया गया था। ये समझौते संयुक्त राष्ट्र, एक स्विस विश्वविद्यालय और एक इटैलियन संगठन से जुड़े थे।" सीबीआई टीम ने एचआईएएल और स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (SECMOL) से 2022 से 2024 तक की फंडिंग से जुड़े दस्तावेज मांगे हैं। हालांकि, वांगचुक का आरोप है कि जांच अधिकारी 2021 और 2020 के खातों के साथ-साथ संस्थान से जुड़े स्कूलों के कागजात भी मांग रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दोनों ही स्कूल आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को मुफ्त शिक्षा देते हैं और एचआईएएल में छात्र विभिन्न परियोजनाओं पर काम करने के बदले स्कॉलरशिप भी पाते हैं। वांगचुक ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई एक क्रमबद्ध दबाव रणनीति का हिस्सा है। "पहले पुलिस ने मुझ पर राजद्रोह का केस दर्ज किया, फिर एचआईएएल को आवंटित जमीन वापस लेने का आदेश दिया। अब सीबीआई और आयकर विभाग की जांच हो रही है। लद्दाख में टैक्स नहीं लगता, फिर भी मैं स्वेच्छा से टैक्स देता हूं और उसके बाद भी नोटिस आ रहे हैं।"

लद्दाख में हिंसा भड़कने के पीछे गृह मंत्रालय ने वांगचुक को बताया जिम्मेदार

हाल ही में वांगचुक ने लद्दाख को छठी अनुसूची में शामिल करने और राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर 10 सितंबर से भूख हड़ताल शुरू की थी। इस बीच बुधवार को क्षेत्र में 1989 के बाद की सबसे गंभीर हिंसा हुई, जिसमें युवाओं ने भाजपा मुख्यालय और हिल काउंसिल को निशाना बनाया और वाहनों को आग के हवाले कर दिया। हालात काबू में लाने के लिए पुलिस व अर्धसैनिक बलों को आंसू गैस के गोले दागने पड़े थे। झड़पों में चार प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। 30 पुलिस कर्मियों समेत 80 से ज्यादा लोग घायल हुए।

मामले में गृह मंत्रालय की ओर से बयान जारी कर कहा गया है कि सोनम वांगचुक ने अपने भड़काऊ बयानों के माध्यम से भीड़ को उकसाया था। हिंसक घटनाओं के बीच, उन्होंने अपना उपवास तोड़ा और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कोई व्यापक प्रयास किए बिना एम्बुलेंस से अपने गांव चले गए।

'अमेरिका हिचकेगा तो बंगलूरू तैयार', एच-1बी वीजा पर शुल्क को अकबरुद्दीन ने बताया प्रतिभा पर टैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से एच-1बी वीजा शुल्क में भारी बढ़ोतरी को लेकर दुनियाभर में चर्चा तेज है। ऐसे में अब इस मामले में संयुक्त राष्ट्र में भारत के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे भारत और अमेरिका के बीच प्रतिभा के पुल पर 88 लाख रुपये का टोल टैक्स बताया है। सात ही कहा कि इससे दोनों देशों को नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि एच-1बी वीजा पहले भारत और अमेरिका के बीच एक पुल था, लेकिन अब इसे एक मौके की सीढ़ी की बजाय फायदा उठाने वाला रास्ता (लूपहोल) माना जा रहा है।

न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत के दौरान सैयद अकबरुद्दीन ने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिभा पर टैक्स लगाना ऐसा दौड़ है जिसमें दोनों देश हारेंगे। साझेदार देश प्रतिभा को दबाते नहीं, उसे दिशा देते हैं। उन्होंने कहा कि अगर टैरिफ वस्तुओं पर टैक्स है, तो एच-1बी वीजा पर ये भारी टैक्स भरोसे पर टैक्स है। हमें युवाओं के सपनों को बहुत सोच-समझकर संभालना होगा।

'अगर अमेरिका हिचक रहा है, तो बंगलूरू तैयार'

सैयद अकबरुद्दीन ने कहा कि अमेरिका के इस कदम से जो हमारे देश के होनहार लोग विदेश में काम करने चले जाते थे अब वहां से भारत में आकर काम करेंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर अमेरिका में भारतीय प्रतिभा को जगह नहीं मिलेगी, तो वैश्विक कंपनियों के 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर' भारत में ही आएंगे और काम भारत आ जाएगा। अकबरुद्दीन ने आगे कहा कि हर चुनौती एक मौका लेकर आती है। अगर अमेरिका टैलेंट लेने में हिचक रहा है, तो बंगलूरू उसे लेगा, या फिर कनाडा ले जाएगा। जहां अवसर होंगे वहीं प्रतिभा जाएगी।

टैरिफ और अमेरिका से व्यापार वार्ता पर क्या बोले अकबरुद्दीन?

इसके साथ ही अतरिक्त टैरिफ को लेकर भी सैयद अकबरुद्दीन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। अमेरिका और भारत के बीच चल रही व्यापार वार्ताओं अकबरुद्दीन ने कहा कि भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है ताकि वह कुछ मामलों में झुके, लेकिन भारत के पास भी मजबूत विकल्प हैं। उन्होंने कहा कि हमारे वाणिज्य मंत्री वॉशिंगटन में हैं, विदेश मंत्री न्यूयॉर्क में हम कमजोर नहीं हैं, लेकिन जरूरी है कि हम बहुस्तरीय बाजार और रास्तों पर काम करें, तभी हम दबाव से बच पाएंगे। इसके अलावा अंत में उन्होंने ये भी जोड़ा कि अब यह केवल व्यापार वार्ता नहीं रह गई है, बल्कि इसमें राजनीतिक मुद्दे और भारत की वैश्विक भूमिका की दिशा भी शामिल हो गई है।

मस्ती-4 का टीजर रिलीज, लौट रही विवेक-रितेश और आफताब की तिकड़ी, 21 नवंबर को रिलीज होगी फिल्म

मस्ती फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त का दर्शकों को लंबे अरसे से इंतजार था। मंगलवार को मेकर्स ने इसका टीजर जारी कर दिया। इसी के साथ ही यह भी पता चल गया है कि यह फिल्म कब रिलीज होगी।

मस्ती 4 के लेखक और निर्देशक मिलाप जावेरी हैं। इसके टीजर को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, पहली की थी मस्ती, फिर हुई ग्रैंड मस्ती, फिर ग्रेट ग्रैंड मस्ती, अब होगी मस्ती 4। इस बार शैतानी, दोस्ती और कामेडी सब 4 गुना होगी। टीजर देखें यहां। यह फिल्म 21 नवंबर को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके टीजर में पहली तीन फिल्मों की झलक दिखाई गई है। इसके बाद मस्ती-4 के बारे में बताया जाता है। टीजर में फिर से आफताब का किरदार को हर बार की तरह एक आइडिया आता है। इस पर विवेक ओबेराय उन्हें आगाह करते हैं कि जब-जब ऐसा हुआ, उनके साथ कुछ न कुछ कांड हुआ है। टीजर में तीनों दोस्त फिर से लड़कियों के पीछे भागते दिखाई दे रहे हैं। यानी इस बार भी तीनों दोस्त मिलकर फिल्म में कुछ मजेदार करने वाले हैं। आफताब का किरदार इसमें कहता भी है कि पार्ट-1, 2 और 3 को भूल जाइए, अब होगी मस्ती-4। टीजर को देखकर लोगों को इस फ्रेंचाइजी की सारी फिल्मों की यादें ताजा हो जाएंगी। इस फिल्म में रितेश देशमुख, आफताब शिवदासानी, विवेक ओबेराय, तुषार कपूर, एलनाज नौरोजी, श्रेया शर्मा और रूही सिंह जैसे कलाकार नजर आएंगे।

डायरेक्टर मिलाप जावेरी ने एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्म इस बार एक अलग कान्सेप्ट पर आधारित होगी। इसमें पुरुषों के साथ ही महिलाओं के भी अफेयर दिखाए जाएंगे। मगर, इसमें कोई वल्गर सीन नहीं होगा। बस होगी तो ढेर सारी मस्ती और कामेडी।

इस फिल्म को अमर झुनझुनवाला, शिखा करण अहलूवालिया, इंद्र कुमार, अशोक ठकेरिया, एकता कपूर, शोभा कपूर, और उमेश कुमार भंसाल ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 21 नवंबर को रिलीज होगी। इसे जी स्टूडियोज और वेवबैंड प्रोडक्शन, मारुति इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफिल्म्स के सहयोग से बनाया गया है। फिल्म की शूटिंग यूके और मुंबई में हुई है।

हक टीजर रिलीज, शाहबानो बेगम की सच्ची कहानी पर फिल्म, छाए यामी गौतम और इमरान हाशमी

यामी गौतम धर और इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म हक का टीजर आखिरकार रिलीज हो गया है और यह अभिनेत्री से एक और यादगार अभिनय का वादा करता है, जिन्होंने हमेशा ऐसे किरदार चुने हैं जिन्होंने साबित किया है कि वह भारतीय सिनेमा की सर्वश्रेष्ठ अदाकारा क्यों हैं। धारा 370 और मस्ती से भरपूर धूम धाम के बाद, यामी अब शाह बानो का किरदार निभा रही हैं, एक ऐसी महिला जिसने भारत में तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी।

टीजर शाजिया नाम के किरदार की दुनिया की एक दिलचस्प झलक दिखाता है, जो दर्द, अन्याय और सम्मान के लिए एक अटूट संघर्ष से भरी है। यामी गौतम ने उस उथल-पुथल को अद्भुत तीव्रता से दर्शाया है, उनके हाव-भाव महिलाओं द्वारा झेले जाने वाले मौन संघर्षों को बयां करते हैं। टीजर का एक दृश्य, जिसमें यामी की आँखें नम हैं, फिर भी उनमें दृढ़ संकल्प है, निश्चित रूप से सभी के लिए चर्चा का विषय बन जाएगा।

हक में यामी का लुक प्रभावशाली और प्रभावशाली है, हर फ्रेम में एक महिला की आवाज का वजन झलकता है जो सुनने की मांग कर रही है और टीजर के आखिरी दृश्य में ही पता चलता है कि यामी को अपनी पीढ़ी की सबसे मज़बूत अभिनेत्रियों में से एक क्यों माना जाता है, जो सिर्फ़ ग्लैमर और इंडस्ट्री के मानदंडों से परे, दमदार और सार्थक दोनों तरह के किरदार चुनती हैं।

उनकी कच्ची भावनाएं और दृढ़ विश्वास एक गहरा प्रभाव छोड़ते हैं, एक ऐसी कहानी की ओर इशारा करते हैं जो बातचीत को गति देगी, हम अनुच्छेद 370 से उबर नहीं पाए थे, और अब हम एक और के साथ हैं, जिसे दर्शक राष्ट्रीय पुरस्कार योग्य अभिनय और फिल्म कह रहे हैं। यहां तक कि फिल्म के निर्देशक ने भी कहा - वह अपने प्रदर्शन से पूरे देश में हलचल मचा देंगी।

काजोल और ट्विंकल खन्ना के टाक शो के पहले एपिसोड में दिखेंगे सलमान-आमिर, पोस्टर जारी

अभिनेत्री काजोल और ट्विंकल खा के नए चैट शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल का पहला एपिसोड गुरुवार को रिलीज होगा। बालीवुड सुपरस्टार सलमान खान और आमिर खान उनके टाक शो प्रीमियर एपिसोड के गेस्ट होंगे। यहां दोनों स्टार्स अपनी कुछ पुरानी यादें शेयर करते दिखाई देंगे।

शो के पहले मेहमान के रूप में सलमान और आमिर खान के आने की जानकारी देते हुए मेकर्स ने इसका एक पोस्टर सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर जारी किया है। इस पोस्टर में दोनों खान, होस्ट काजोल और ट्विंकल के साथ दिखाई दे रहे हैं।

मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, इस गुरुवार को दो स्टार्स एक साथ आ रहे हैं, इसलिए हम अपना कैलेंडर खाली कर रहे हैं। नया टाक शो 25 सितंबर को स्ट्रीम होगा।

मेकर्स ने जो पोस्टर शेयर किया है उसमें आमिर और सलमान एक बाइक पर बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि काजोल और ट्विंकल उससे जुड़ी रस्सी खींचती दिख रही हैं। बताया जा रहा है कि पहले एपिसोड में सलमान खान और आमिर खान अपनी पहली फिल्म अंदाज अपना-अपना और अपनी दोस्ती पर बातें करते दिखाई देंगे।

फिल्मी दुनिया के कुछ मजेदार किस्से साझा करने के साथ ही सलमान खान और आमिर खान कुछ मजेदार गेम्स भी खेलते नजर आएंगे। इसकी झलक हम शो के ट्रेलर में देख चुके हैं।

शो की गेस्ट लिस्ट में अक्षय कुमार, आलिया भट्ट, वरुण धवन, करण जौहर, कृति सेनन, मनोहर कौशल, गोविंदा और कई बड़े बालीवुड सितारे शामिल हैं। हर गुरुवार को इसका एक नया एपिसोड जारी होगा।

इस शो के साथ काजोल पहली बार कोई शो को होस्ट करती दिखाई देंगी। इस बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने एक इंटरव्यू में कहा था, ट्विंकल और मेरी पुरानी दोस्ती है और जब भी हम बातें करते हैं तो माहौल बहुत ही मजेदार होता है, जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते। असल में इस टाक शो का आइडिया यहीं से आया। हमने पारंपरिक टाक-शो के फार्मेट को पूरी तरह बदल दिया है। यह शो बेबाक और बिना किसी बदलाव के हंसी और सच्ची बातचीत से भरपूर है। हमें उम्मीद है कि हर पीढ़ी के दर्शक इससे जुड़ेंगे और इसका आनंद लेंगे।

यूट्यूब पर छाया कांतारा : चैप्टर 1 का ट्रेलर, 55 मिलियन से ज़्यादा डिजिटल व्यूज़ मिले, ऋषभ शेट्टी की फिल्म का दर्शकों को इंतजार

ऋषभ शेट्टी की पौराणिक एक्शन ड्रामा, कंतारा चैप्टर 1 के ट्रेलर ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है, लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है और रिकार्ड तोड़ रहा है। 22 सितंबर को रिलीज़ हुए इस ट्रेलर को रिलीज़ के एक दिन के भीतर ही सभी भाषाओं में 55 मिलियन से ज़्यादा डिजिटल व्यूज़ मिल चुके हैं। यह फिल्म, 2022 की ब्लाकबस्टर कंतारा का प्रीक्वल है, जो पहली किस्त में पेश की गई पौराणिक परंपराओं और पैतृक संघर्षों की उत्पत्ति की पड़ताल करती है।

ट्रेलर के भव्य दृश्यों, ज़बरदस्त एक्शन दृश्यों और मनोरम कहानी ने प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है, और कई लोग इसे मूल से बड़ा और बेहतर बता रहे हैं। फिल्म में रुक्मिणी वसंत, गुलशन देवैया और जयराम जैसे प्रभावशाली कलाकार हैं, और ऋषभ शेट्टी असाधारण क्षमताओं वाले एक आदिवासी नेता, बर्मे की भूमिका निभा रहे हैं। हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम सहित अपनी बहुभाषी रिलीज़ के साथ, कंतारा चैप्टर 1 विविध दर्शकों तक पहुँचने के लिए तैयार है। फिल्म की तकनीकी टीम, जिसमें छायाकार अरविंद एस. कश्यप और संगीतकार बी. अजनीश लोकनाथ शामिल हैं, उत्सुकता को और बढ़ा रही है।

ट्रेलर की अपार सफलता ने 2 अक्टूबर, 2025 को फिल्म की रिलीज़ का आधार तैयार कर दिया है। कंतारा चैप्टर 1, प्रकृति, लोककथाओं और ईश्वरीय शक्तियों के साथ मानवीय संबंधों को एक साथ बुनते हुए एक सिनेमाई तमाशा पेश करने का वादा करता है। अपनी भव्य कहानी और अद्भुत दृश्यों के साथ, यह फिल्म देश भर के दर्शकों को आकर्षित करने की उम्मीद है।

कंतारा चैप्टर 1 के प्रभावशाली ट्रेलर व्यू काउंट ने इसे शीर्ष प्रदर्शन करने वाली भारतीय फिल्मों में शामिल कर दिया है, जो सालार और केजीएफः चैप्टर 2 जैसी अन्य ब्लाकबस्टर फिल्मों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही है। फिल्म की रिलीज़ का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है, और प्रशंसक कंतारा चैप्टर 1 के जादू का अनुभव करने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com